राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 26 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-217 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा, केजरीवाल को 10 दिनों के भीतर उपयुक्त सरकारी आवास आवंटित होगा

नई दिल्ली केंद्र की मोदी सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट को सूचित किया है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को 10 दिनों के भीतर एक उपयुक्त सरकारी आवास आवंटित किया जाएगा। इसकी जानकारी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की बेंच के समक्ष दी। आप पार्टी की याचिका पर सुनवाई करते हुए, हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार के बयान पर संतोष जाहिर किया। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि वे इस बयान को ध्यान में रखते हुए याचिका का निपटारा करुंगा कि आवास का आवंटन याचिकाकर्ता के राष्ट्रीय राजनीतिक दल के अध्यक्ष के रूप में किया जाएगा। इसके पहले, 16 सितंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने आवास आवंटन में हुई देरी पर केंद्र सरकार की आलोचना कर कहा था कि आवंटन एक निष्पक्ष और पारदर्शी नीति के तहत होना चाहिए। कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि यह अधिकारियों की मनमुताबिक नहीं हो सकता। हाईकोर्ट ने सरकार से 18 सितंबर तक आवास के लिए मौजूदा प्रतीक्षा सूची और नीति का ढांचा प्रस्तुत करने को कहा था। मामले पर न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने जोर देकर कहा कि सरकारी आवास का आवंटन एक पारदर्शी प्रणाली के तहत होना चाहिए और यह किसी भी तरह से मनमाना नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ एक आवंटन का नहीं है, बल्कि यह एक बड़ा सवाल है कि इसतरह के मामलों में विवेक (अधिकार) का उपयोग कैसे किया जाता है।

मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी ले. कर्नल पुरोहित का प्रमोशन

मामले में 9 साल जेल में रहे, 31 जुलाई को कोर्ट ने निर्दोष कहा था

नई दिल्ली 2008 मालेगांव ब्लास्ट में बरी किए जाने के बाद लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित को कर्नल के पद पर प्रमोशन मिल गया है। ये प्रमोशन उन्हें 17 साल के लंबे इंतजार के बाद मिला। 31 जुलाई 2025 को मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने कर्नल पुरोहित समेत मामले के सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। इस ब्लास्ट में 6 लोगों की मौत हो गई थी तो वहीं 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। कुछ दिन पहले ही मालेगांव ब्लास्ट केस में कोर्ट के फैसले के बाद ऐसी जानकारियां आई थीं कि सेना ने लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित के करियर पर पिछले 16 साल से लगा डिसिप्लिन एंड विजिलेंस बैन हटा दिया है। इससे उनके प्रमोशन और बाकी सर्विस बहाल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

चुनाव आयोग का ई-साइन नाम से नया फीचर लॉन्च, फर्जी आवेदन पर लगेगी रोक

नई दिल्ली चुनाव आयोग ने अपने ईसीआईनेट पोर्टल और ऐप से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने, नाम डिलीट करवाने या वोटर लिस्ट से संबंधित अन्य वोटर लिस्ट कोई काम में ऑनलाइन कराने के लिए आवेदन करने एक नया फीचर ई-साइन शुरू किया है। इसमें आवेदन करने वालों को अपना आधार से जुड़े मोबाइल नंबर का ही इस्तेमाल करना होगा। दावा किया जा रहा है कि यह नया फीचर हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक की आलंद सीट पर बड़ी संख्या में वोटरों के नाम हटाने की कोशिश का खुलासा करने के बाद आयोग ने शुरू किया है। ई-साइन फीचर के जरिए वोटर्स की आइडेंटिफिकेशन वेरिफाई होगी। जब वोटर्स वोटर कार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन कराएंगे। वोटर सूची से नाम हटाने या नाम में सुधार करने के लिए आवेदन करेंगे, तो आधार कार्ड से लिंक फोन नंबर के जरिए अपनी पहचान वेरिफाई करेंगे। वोटर वेरिफिकेशन की यह प्रक्रिया फर्जी आवेदनों को रोकने में मददगार साबित होगी। ई-साइन फीचर लॉन्च होने के बाद ईसीआईनेट पोर्टल पर फॉर्म 6, फॉर्म 7, फॉर्म 8 सीधे ही भरने की परमिशन नहीं मिलेगी। आवेदन को ई-साइन फीचर ओपन करके आधार नंबर सबमिट करके ओटीपी जनरेट करना होगा। रजिस्टर्ड नंबर पर आया ओटीपी दर्ज करके ओके करने पर वेरिफिकेशन हो जाएगी, जिसके बाद आवेदक फॉर्म जमा करने के लिए वापस ईसीआईनेट पोर्टल पर आ जाएगा।

विवादों में फंसी पंजाबी एक्ट्रेस सोनम

चंडीगढ़ फेमस पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा नए विवाद में फंस गई हैं। उनकी नई फिल्म के ट्रेलर में सोनम बाजवा को शराब पीते और हाथ में सिगरेट पकड़े हुए दिखाया गया है। जिसको लेकर पंजाब कलाकार मंच ने सवाल खड़े किए हैं। मंच के सरपरस्त सुखमिंदरपाल सिंह ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार और सेंसर बोर्ड को पत्र लिखकर फिल्म बैन करने की मांग की है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी मेंबर ने भी धूम्रपान को प्रमोट करने पर एतराज जताया है। एक हफ्ते पहले नई पंजाबी मूवी निक्का जैलदार-4 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें सोनम बाजवा के अलावा एमी विर्क भी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें सोनम बाजवा को शराब की आदी बहू के रूप में दिखाया गया है।

स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए हमें एक इकोसिस्टम बनाना होगी

पीएम मोदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 का किया उद्घाटन

नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित हो रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने शो को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया भर में हो रही उथल-पुथल और अनिश्चितता के बावजूद भारत की विकास दर आकर्षक है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने ऐसे ओपन प्लेटफॉर्म बनाए हैं, जो सबको साथ लेकर चलते हैं।

उन्होंने कहा कि विकास के लिए आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि सरकार मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रही है। आज देश का नागरिक स्वदेशी से जुड़ रहा है। उन्होंने पर जोर दिया कि स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए हमें एक इकोसिस्टम बनाना होगा। छोटे व्यापारियों को मुख्यधारा में शामिल किया गया है।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद, पीएम मोदी पहली बार यूपी आए हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं। गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, मध्यम वर्ग, व्यापारियों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, सभी समुदायों और जातियों को दिपावली का यह तोहफा मिला है। पिछले चार दिनों में बाजारों में एक नई रौनक देखे को मिल रही है। उपभोक्ता बाजारों की ओर दौड़ पड़े हैं। यह हमारे ओडीओपी क्षेत्र के उद्योगपतियों के लिए एक नई संजीवनी साबित हुआ है।

योगी ने कहा कि यह यूपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का तीसरा संस्करण है। इस आयोजन में 80 देशों के 550 से ज्यादा खरीदार भाग ले रहे हैं। यूपी के सभी 75 जिलों के 2250 से ज्यादा प्रदर्शक भागीदार के रूप में भाग ले रहे हैं। यह देश और दुनिया के सामने यूपी को प्रदर्शित करने का एक बहुत बड़ा मंच है।

बता दें यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का 25 से 29 सितंबर तक चलेगा। सीएम योगी की अगुवाई में राज्य की औद्योगिक, कृषि, सांस्कृतिक और नवाचार संबंधी सफलताएं ग्लोबल लेवल पर प्रदर्शित की जाएंगी। इस तीसरे संस्करण में 2500 से ज्यादा प्रदर्शकों के शामिल होने का अनुमान है। साथ ही, 500 विदेशी खरीदार और करीब पांच लाख आगंतुक यहां पहुंच सकते हैं।

साल 2023 में आयोजित पहले संस्करण का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था, जबकि दूसरा संस्करण तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने खोला था। इन दोनों आयोजनों में क्रमशः 1,914 और 2,122 प्रदर्शक मौजूद रहे थे और 2,200 करोड़ रुपए से ज्यादा के निर्यात ऑर्डर हासिल किए गए थे। मेले का सबसे बड़ा केंद्र 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पवेलियन' होगा। यहां 343 स्टॉल स्थापित किए जाएंगे, जिनमें भदोही की कालीन कला, फिरोजाबाद का ग्लासवर्क, मुरादाबाद की पीतल कारीगरी और सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी जैसे प्रोडक्ट देखने को मिलेंगे। यह मंच स्थानीय शिल्पकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने का अवसर देगा।

इस बार रूस को पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है। 26 सितंबर को रूस-भारत बिजनेस डायलॉग का आयोजन होगा, जहां दोनों देशों के नीति-निर्माता, उद्योग जगत से जुड़े लोग, वित्तीय संस्थान और शैक्षणिक जगत के प्रतिनिधि नई संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग अपने 200 वर्गमीटर के पवेलियन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल का लाइव डेमो दिखाएगा। इस पवेलियन में अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाएं, स्मार्ट डिस्प्ले और एक स्टार्टअप जोन भी मौजूद रहेगा।

अग्नि प्राइम मिसाइल परीक्षण: ट्रेन में बैठकर 2 हजार किमी की रेंज ध्वस्त कर सकती है सेना

नई दिल्ली भारतीय सेना की ताकत लगातार बढ़ रही है। हाल ही में एक ऐसी मिसाइल का परीक्षण किया गया है, जिसे ट्रेन में बैठकर चलाया जा सकता है। अग्नि प्राइम नामक यह मिसाइल 2 हजार किमी तक निशाना लगा सकती है। इसका मतलब है कि जहां जहां भारत में रेलवे नेटवर्क हैं वहां से यानी देश के किसी भी इलाके से इस मिसाइल को दागा जा सकता है। इसके लिए भारत ने रेल बेस्ड मोबाइल लॉन्चर से अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया। यह अगली पीढ़ी की मिसाइल है। विभिन्न उन्नत सुविधाओं से लैस है। इस मिसाइल का सफल टेस्ट रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया है। यानी यह पहली बार है जब रेल लॉन्चर से किसी मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत ने रेल आधारित मोबाइल प्रक्षेपण प्रणाली से अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। दरअसल, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं में एक नया अध्याय जोड़ा है। इसी के तहत अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह पहली बार है जब इस मिसाइल को रेल-आधारित मोबाइल लॉन्चर से दागा गया, जो देश की रेल नेटवर्क पर स्वतंत्र रूप से घूम सकता है। यह परीक्षण भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल करता है जो रेल से कैनिस्टराइज्ड मिसाइल लॉन्च करने की क्षमता रखते हैं। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। यह दुश्मन देशों के लिए खतरे की घंटी है। मिसाइल के सफल टेस्ट की डिटेल्स पर नजर डालें तो यह लॉन्च विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल-बेस्ड मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से किया गया। इस सिस्टम की खासियत है कि यह बिना किसी पूर्व शर्त के देश के रेल नेटवर्क पर कहीं भी मूवमेंट कर सकता है। इससे लॉन्च में कम समय लगता है और दुश्मन की नजर से बचाव आसान होता है। डीआरडीओ यानी डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, स्ट्रैटेजिक फोर्सेस कमांड (एसएफसी) और सशस्त्र बलों की टीम ने इस परीक्षण को अंजाम दिया है। हालांकि, परीक्षण का सटीक स्थान सार्वजनिक नहीं किया गया, लेकिन यह रेल नेटवर्क की मोबिलिटी पर फोकस करता है, जो युद्धकाल में मिसाइल की सरवाइवेबिलिटी बढ़ाता है।

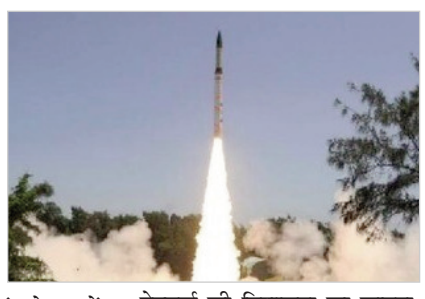

सबसे बड़ा कमाल यह है कि भारत ने पहली बार रेल से मिसाइल लॉन्च की क्षमता हासिल की है। यह दुनियाभर में अपने आप में दुर्लभ कारनामा है। रेल नेटवर्क की विशालता का फायदा उठाते हुए यह सिस्टम मिसाइल को तेजी से डिप्लॉय करने की अनुमति देता है।

इससे स्ट्रैटेजिक सरप्राइज एलिमेंट बढ़ता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन से जुड़ा है, क्योंकि पूरा सिस्टम स्वदेशी रूप से विकसित है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों के लिए सिग्नल है, जहां बॉर्डर टेंशन के बीच भारत अपनी मिसाइल क्षमताओं को मजबूत कर रहा है।

लेह हिंसा मामले के बाद वांगचुक पर केंद्र ने कसा शिकंजा, संस्था का लाइसेंस रद्द

अब नहीं मिल सकेगा विदेशी फंड

नई दिल्ली

लद्दाख के चर्चित जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़ी संस्था स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (सेक्मोल) पर केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

गृह मंत्रालय ने संस्था का एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिया है। इसका मतलब है कि अब सेक्मॉल को विदेश से किसी भी प्रकार का फंड नहीं मिल सकेगा।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, संस्था ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के कई नियमों का उल्लंघन किया है। मंत्रालय ने 20 अगस्त 2025 को सेक्मॉल को शो-कॉज नोटिस भेजा था, जिसके बाद 10 सितंबर को अनुस्मारक (रिमाइंडर) भी जारी किया गया। संस्था ने 19 सितंबर को जवाब दाखिल किया, लेकिन सरकार इसे संतोषजनक नहीं मान रही है।

यहां बताते चलें कि सेक्मॉल की स्थापना 1988 में सोनम वांगचुक और उनके साथियों ने की थी। यह संस्था मुख्य रूप से लद्दाख के युवाओं की शिक्षा, स्थानीय संस्कृति और सतत विकास से जुड़े कार्यक्रम चलाती रही है। विदेशी फंडिंग से संस्था ने शिक्षा सुधार, जलवायु परिवर्तन से निपटने और पर्यावरण अनुकूल प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने का काम किया। हाल ही में लेह हिंसा के बाद वांगचुक सरकार के निशाने पर आ गए हैं।

बिहार चुनाव से वोटों की गिनती का नया सिस्टम पोस्टल बैलेट ज्यादा, तो ईवीएम काउंटिंग रोकी जाएगी

पहले बैलेट वोट गिने जाएंगे, फिर मशीन से गिनती का लास्ट राउंड शुरू होगा

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने वोटों की गिनती के नियमों में बदलाव किया है। अब पोस्टल बैलेट की गिनती में अगर देरी होती है तो ईवीएम काउंटिंग रोक दी जाएगी। साथ ही बैलेट ज्यादा होने पर काउंटिंग टेबल भी बढ़ाई जाएंगी।

दरअसल काउंटिंग के दिन बैलेट की गिनती सुबह 8:00 बजे शुरू होती है जबकि ईवीएम काउंटिंग 8:30 बजे की जाती है। अभी तक यह होता था कि कई सेंटर पर मशीन से काउंटिंग जल्दी पूरी हो जाती थी। जबकि बैलेट में समय लगता था।

अब चुनाव आयोग के नए नियम के अनुसार, बैलेट की गिनती बाकी होने पर ईवीएस के लॉस्ट सेकेंड राउंड की काउंटिंग को रोक दिया जाएगा।

तब तक बैलेट की काउंटिंग को पूरा करना होगा। इलेक्शन कमीशन ने गुरुवार को प्रेसनोट जारी करके इसकी जानकारी दी। अभी तक काउंटिंग सेंटरों में ईवीएम मशीन से काउंटिंग और बैलेट काउंटिंग एक साथ चलती थी। मशीन में वोटों की गिनती जल्दी होती है। ऐसे में कुछ सेंटर्स में देखा गया कि बैलेट काउंटिंग पिछड़ रही है। जबकि उसकी काउंटिंग पहले शुरु होती है।

पारदर्शिता आएगी

नए नियम के मुताबिक, बैलेट काउंटिंग पूरी होने तक ईवीएम के वोट पूरे नहीं गिने जाएंगे। यानी कि ईवीएम मशीन में सेकेंड लॉस्ट राउंड आने तक अगर बैलेट

बचता है तो मशीन काउंटिंग रोक दी जाएगी। फिर जब बैलेट की गिनती पूरी हो जाएगी। मशीन के बचे हुए आखिरी राउंड गिने जाएंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि यह कदम काउंटिंग प्रोसेस में समानता और ज्यादा पारदर्शिता लाएगा। खासतौर से उन सेंटर्स पर जहां पोस्टल की गिनती की जाती है। इस बदलाव से यह तय होगा कि सभी वोटों की गिनती सही तरीके से और बिना किसी पक्षपात के पूरी हो सके।

वर्ल्ड फूड इंडिया का पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, एक लाख करोड़ के होंगे एमओयू

-इसका उद्देश्य फूड प्रोसेसिंग सेक्टर से जुड़े वर्टिकल्स को एक मंच पर लाना

नई दिल्ली

वर्ल्ड फूड इंडिया का चौथा संस्करण 25 से 28 सितंबर तक दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित हो रहा है । इस भव्य आयोजन का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम 6 बजे करेंगे। इस बीच केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया का उद्देश्य देश और दुनिया में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर से जुड़े वर्टिकल्स को एक मंच पर लाना है।

उन्होंने कहा कि चार दिनों में कई एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे, जिनका मूल्य एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का होगा। पिछले संस्करण में हस्ताक्षरित एमओयू में से 80 फीसदी को धरातल पर उतारा जा चुका है। इस उद्योग को बढ़ावा देना लक्ष्य है, जो रोजगार सृजन, किसानों की मदद और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। 90 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि और देश के ज्यादातर राज्यों की उपस्थिति इस आयोजन में देखने को मिलेगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान पर चिराग ने कहा कि जब वे फोड़ेंगे तभी पता चलेगा कि उनका यह हाइड्रोजन बम क्या है। अभी तो जितनी बार वे आते हैं, वे उसी चीज पर बल देते हैं जिसकी वजह से एसआईआर प्रक्रिया को शुरू किया गया है। उनका बार-बार यह कहना कि वोटर लिस्ट में धांधली हो रही है, तो उसी वजह से तो एसआईआर को लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ शिकायत भी आप करेंगे और शिकायत के समाधान के लिए जिस प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, उसमें भी दिक्कत है। मतलब चट भी अपनी, पट भी अपनी, यह नहीं चलेगा। अगर आपको इस व्यवस्था से दिक्कत है तो आपके पास कानूनी विकल्प हैं, लेकिन सिर्फ आना और आरोप लगाकर चले जाना गलत है।

आज विदाई से पहले मिग-21 को चंडीगढ़ में दिया गया वाटर कैनन सैल्यूट

फ्लाईपास्ट और सेवामुक्ति समारोह में सभी सेना प्रमुख रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली

पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश के छक्के छुड़ाने वाले भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे विमान मिग-21 चंडीगढ़ में आयोजित समारोह में सेवा मुक्त होने वाला हैं, जहां इस प्रतिष्ठित विमान को 60 साल पहले वायुसेना में शामिल किया गया था। विदाई के दो दिन पहले फाइटर जेट को वाटर कैनन सैल्यूट दिया गया। मिग-21 विमानों के संचालन का आधिकारिक समापन 26 सितंबर एक औपचारिक फ्लाईपास्ट और सेवामुक्ति समारोह के साथ होगा।

मिग 21 का उपनाम पैंथर्स है। तेईसवें स्क्वाड्रन के अंतिम मिग-21 विमान को चंडीगढ़ वायुसेना स्टेशन पर आयोजित समारोह में विदाई दी जाएगी। एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह विमान की अंतिम उड़ान में सवार होने वाले है। साल 1981 में भारतीय वायुसेना प्रमुख बने दिलबाग सिंह ने 1963 में यहां पहली मिग-21 स्क्वाड्रन का नेतृत्व किया था।

ग्रुप कैप्टन,भारतीय वायुसेना अधिकारी इंद्रनील नंदी ने कहा कि भारतीय इतिहास के साथ-साथ वायुसेना में भी मिग-21 का विशेष स्थान है। 1963 में सेवा में शामिल होने के बाद से 60 सालों से अधिक समय तक भारतीय वायुसेना की सेवा की है। मिग-21 ने सभी प्रमुख ऑपरेशनों में भाग लिया है।

मिग-21 विमानों के बारे में हाल ही में पोस्ट में भारतीय वायुसेना ने कहा था, छह दशकों की सेवा, साहस की अनगिनत कहानियां, एक ऐसा योद्धा जिसने राष्ट्र के गौरव को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।÷

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहने वाले है। संभावित कार्यक्रम के अनुसार, इसके अलावा वायुसेना के छह पूर्व प्रमुख ए वाई टिपनिस, एस कृष्णास्वामी, एस पी त्यागी, पी वी नाइक, बी एस धनोआ और आर के एस भदौरिया भी चंडीगढ़ में शुक्रवार को होने वाले समारोह में शामिल होने वाले है।

रक्षा मंत्रालय, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और हिंदुस्तान एयर (एचएएल) के अधिकारी भी उपस्थित रहने वाले है।

बात दें कि साल 1965 और 1971 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में मिग-21 विमानों की काफी महत्वपूर्ण भूमिका थी। करगिल युद्ध और 2019 के बालाकोट हवाई हमलों में भी विमान ने अहम भूमिका निभाई थी। एक महीने पहले राजस्थान के बीकानेर में स्थित नाल वायुसेना स्टेशन पर विमान ने अपनी अंतिम परिचालन उड़ान भरी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 26 सितम्बर पर विशेष)

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है।

पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्य- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य- हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरुआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के रचनाकार हैं)

संपादकीय

लेह में हिंसा की तपिश

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीते पंद्रह दिनों से अनशन पर थे। इन्हीं मुद्दों के समर्थन में यह आंदोलन चल रहा था। हालांकि, हिंसा के बाद उन्होंने अपना अनशन त्याग दिया है। उन्होंने आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। समाचार माध्यमों में कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्रशासित प्रदेश में लद्दाख को पूर्ण राज्य देने की मांग को लेकर समय-समय पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बताया जाता है कि पिछले पैंतीस दिनों से कुछ लोग अनशन कर रहे थे। परसों उनमें से दो लोगों की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ा। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी माह में एक वार्ता का दौर निर्धारित था,लेकिन आंदोलनकारी इससे पहले ही इस दिशा में पहल की मांग करते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों के नेता लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लोगों की आकांक्षा पूर्ण न होने पर उपजे आक्रोश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आंकाक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। वहीं लद्दाख की अस्मिता को संरक्षित करने के लिये छठी अनुसूची की मांग लंबे समय से की जाती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा ने वर्ष 2019 के घोषणापत्र में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने का वायदा किया था।

यमुना नदी हादसा:लापरवाहियों से नदियों में डूबते लोग जिम्मेवार कौन ?

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

आखिर लोग जान जोखिम में डालने से क्यों नहीं मान रहे है। देश की नदियों में नौनिहालों के डूबने के मामले बढ़ते ही जा रहे है।प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए।अगर प्रशासन सक्रिय हो जाए तो इन हादसों को रोका जा सकता है।देश में नदियों में डूबने के हादसे निरंतर हो रहे हैं।प्रतिदिन ऐसे हादसे हो रहे है। यह हादसे कब रुकेंगें यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है। ताजा हादसा गुरु की नगरी पांवटा साहिब में एक बार फिर बड़ा हादसा हुआ यमुना नदी में नहाने तीन युवकों की मौत की मौत हो गई। पांवटा साहिब के यमुनाघाट पर एक युवक डूबने लगा तो दो उसे बचाने में लग गए लेकिन दोनो युवक भी डूब गए। अभी तक युवकों के शव नहीं मिल पाये हैं।शिलाई के गांव गवाली से ग्राम देवता की पालकी लेकर ग्रामिणों के साथ गंगा स्नान करवाने हरिद्वार गए थे लौटते समय यमुना में नहाने चले गए और यह दुखद हादसा हो गया। प्रतिवर्ष हिमाचल में गर्मियों के मौसम में पर्यटकों व लोगों के डूबने के हादसे होते रहते हैं।परन्तु सबक न सीखना लोगों व दूसरे राज्यों से हिमाचल घूमने आए पर्यटकों की आदत बनता जा रहा है। आंकडों के मुताबिक 8 जून 2019 शनिवार को हिमाचल में डूबने की तीन घटनाएं घटित हुई।

एक दिन में खडडों में नहाने उतरे तीन लोगों की दर्दनाक मौतों से जनमानस खौफजदा है ।चंबा के भटियात में कलम खडड में नहाने उतरे सात साल के बच्चे की मौत गई थी।यह दूसरी कक्षा का छात्र था।नादौन में भी कुनाह खडड में नहाने उतरा एक 22 साल का युवक डूब गया। तीसरी घटना पर्यटक स्थल बरोट-मुल्थान में घटित हुई जहां उहल नदी में नहाते समय हरियाणा के पर्यटक की डूबने से मौत हो गई।वह 250 मीटर दूर तक पानी के बहाव में बह गया।पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है।पर्यटक भी अपनी मनमानी से बाज नहीं आते है।करीब 11 साल पहले 2014 में मण्डी में हुए दर्दनाक हादसे को आज भी लोग नहीं भूले है जून 2014 में हैदराबाद के एक कालेज के छात्र-छात्राएं जो हिमाचल भ्रमण पर आए थे थलौट में दरिया के किनारे नहाने उतर गए थे जब लारजी प्रोजैक्ट से पानी छोडा था उसमें 24 छात्रों की मौत हो गई थी लगभग एक महिना सर्च आपरेशन चलाया गया और तब जाकर उनकी लाशों का निकाला गया था जिसमें करोड़ों रुपया खर्च आया था।गनीमत रही कि दूसरी बस के छात्र नहाने नहीं उतरे तो कम से कम 50 छात्र मारे जाते।

मनाही के बावजूद भी खडडों में नहाने का जोखिम उठा रहे हैं और बेमौत मारे जा रहे हैं।पिछले दस सालों में हजारों पर्यटक डूब कर मर चुके हैं।लाशें तक बरामद नहीं हो रही है फिर भी जानबूझकर मौत को आमंत्रण देते है। कांगडा में भी नदी किनारे दो भाई बहन कपड़े धोने गए थे कि भाई का पांव फिसला और वह नदी में डूब गया उसको बचानें के लिए बहन पानी में कूद गई और दोनों बेमौत मारे गए। देश की नदियों में नौनिहालों के डूबने के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। वर्ष 2015 में आगरा में यमुना नदी में चार नाबालिग बच्चे डूब गए थे जिनमें से एक बच्चे को लोगों ने बचा लिया था मगर तीन बच्चे डूब कर बह गए थे।

यह बहुत ही दुखद हादसा था। मगर प्रशासन की नींद तो हादसों के बाद ही टूटती है जब लाशों ढेर लग जाते मण्डी में भी खडड में डूबने से एक छात्र की मौत की स्हायी सूखी भी नहीं थी कि इन घटनाओं ने नई इबारत लिख दी है।प्रशासन को चाहिए कि पर्यटको पर शिकंजा कसा जाए जो हादसों को अंजाम दे रहे है।प्रशासन को चाहिए की नदियों के किनारे सुरक्षा बढाई जाए तथा मनमानी करने वालों पर कारवाई की जाए। देश में बढते हादसों को प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतश्योक्ति नहीं होगी क्योकि देश के राज्यों मे हर रोज कहीं न कही ऐसे हादसे हो रहे है और प्रशसान हाथ पर हाथ धरे बैठा है ।हर वर्ष पर्यटक नदियों में बहकर मारे जा रहे है मगर इन से पर्यटकों ने कोई सीख नही ली और मौत के मुह में समाते जा रहे है। हालाकि प्रशासन ने नदियों के किनारे न जाने के चुतावनी बोर्ड लगाए है मगर लोग इनका उल्घन कर रहे है।समझ नहीं आता कि लोग इतने लापरवाह कैसे हो जाते हैं कि देश में बडे से बडे हादसे हो चुके है मगर लोग घोर लापरवाहीयां करने से बाज नहीं आते हैं। अगर लोग जरा सी सावधानी बरतें तो इन हादसों से बचा जा सकता है।ऐसे हादसे समाज के लिए घातक हैं। दोषी लोगों को दंडित करे। अगर लोग लापरवाही बरतेगें तों ऐसे हृदयविदारक हादसे होते रहेगें तथा लोग नदियों डुबकर बेंमौत मरते रहेगें। प्रशासन को इन बढते हादसों को देखते हुए सर्तकता बरतनी चाहिए तथा नदियों के किनारों पर सुरक्षा कर्मीयों की तैनाती करनी चाहिए ताकि इन हादसों को रोका जा सके। केन्द्र सरकार को चाहिए कि नदियों के किनारे रैलिग लगाई जाए ऐसे स्थानों पर चैकीदारों की निगरानी रखी जाए व पुलिस का पहरा लगाया जाए तथा छोटे बच्चो व लागों को नदियों मे नहाने से रोका जाए ताकि फिर कोई हादसे न हो सके।बक्त अभी संभलने का है अगर अब भी लोगों व पर्यटकों ने सबक नहीं सीखा तो आने वाले दिनों में लोग व बच्चे नदियों में बहते समाते रहेगें।फिर पछतानें के सिवाए कुछ नहीं होगा।अगर प्रशासन पर्यटको व लोगों पर लगाम कसे तो इन हादसों पर रोक लग सकती है।अगर अब भी प्रशासन ने सबक नहीं सीखा तो हर रोज लोग ,बच्चे व पर्यटक नदियों में डूबते रहेगें।

(वरिष्ठ पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

पूंजीवाद बनाम साम्यवाद नहीं, अब खतरा है बाजारवाद के एकाधिकार का

(लेखक-सनत जैन)

हुआवेई का नाम आज दुनिया की सबसे बड़ी टेक्नॉलजी और संचार कंपनियों में शुमार होता है। करीब 177 बिलियन डॉलर की इस कंपनी के संस्थापक और सीईओ रेंगफी चेन हैं। कंपनी की साख या उसकी लोकप्रियता की बात यहां हम नहीं कर रहे बल्कि कंपनी की उस असल कहानी को यहां बताने की कोशिश कर रहे जो ज्यादा दिलचस्प और दुनिया के लिए प्रभावी है। दरअसल हुआवेई कंपनी के महज 1.5प्रतिशत शेयर ही उनके पास हैं, जबकि 92 फीसदी हिस्सेदारी हुआवेई इन्वेस्टमेंट एंड होल्डिंग कंपनी ट्रेड यूनियन लिमिटेड के पास है। यह यूनियन चीन के सरकारी ढांचे के अंतर्गत रजिस्टर्ड है। वहां की कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण में आती है। इस तरह दिलचस्प बात यह है कि कंपनी के मुनाफे का बड़ा हिस्सा इन कर्मचारियों में ही बंटता है, कंपनी पर असली नियंत्रण सरकार के हाथ में रहता है। इसे स्टेट-कंट्रोल्ड कॉरपोरेट स्ट्रक्चर कह सकते हैं, जो पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों का अनोखा मिश्रण है।

विषय विशेषज्ञों की मानें तो आधुनिक दौर में वामपंथ या पूंजीवाद जैसी कोई चीज़ बची ही नहीं है। दुनिया की हर बड़ी ताकत ने इन दोनों विचारधाराओं के स्थान पर मिश्रित तरीके से मिलाकर नए मॉडल तैयार कर रखे हैं। चीन का मॉडल इसका बड़ा उदाहरण है। वहीं भारत के संदर्भ में बात करें तो समय-समय पर इस तरह के प्रयोग ज्ञपतंत्रतर के बाद भी किए गए हैं। एयर इंडिया इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। दरअसल बात उन दिनों की है जबकि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नौ प्राइवेट एयरलाइंस को मिलाकर एक सरकारी कंपनी बनाई, लेकिन संचालन जे.आर.डी. टाटा जैसे पूंजीवादी दिमाग रखने वाले को सौंप दी। नतीजा यह रहा कि एयर इंडिया दस साल में ही दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित एयरलाइंस बन गई। सरकार को बिना हस्तक्षेप के अच्छा-खासा डिविडेंड मिलता रहा। इसके बाद जैसे ही पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी का राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ा और एयरलाइंस में शराब परोसने पर रोक लगी, प्रबंधन में बदलाव के साथ ही बाद में बढ़ती नौकरशाही ने कंपनी को गिरावट की ओर ले गई। अंततः कभी गर्व की वजह रही एयर इंडिया भंगार के भाव निजी हाथों में चली गई। नेहरु ने भारत को समाजवाद के रास्ते आगे बढ़ाया जिसमें पूंजीवाद भी था। आम नागरिकों को समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया। यहां बात दुनियां के चौधरी बने अमेरिका की भी कर लेते हैं। अमेरिका जैसे पूंजीवादी देश में भी आप देखेंगे कि सरकार अपने बजट का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा सोशल सिक्योरिटी और मेडिकेयर पर खर्च करती है। अगर इसमें प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों के सामाजिक खर्च को जोड़ दें, तो यह आंकड़ा 30 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। इसे क्या कहेंगे? वामपंथ या पूंजीवाद? वहीं भारत का सामाजिक खर्च आज भी कुल बजट का 6-7 प्रतिशत ही है। यानी साफ है कि चाहे पूंजीवादी अमेरिका हो या साम्यवादी चीन, दोनों ही अपने नागरिकों के हितों को देखते हुए विचारधाराओं के मिश्रण का इस्तेमाल करते हैं। न एडम स्मिथ का लेसे-फेयर कैपिटलिज्म शुद्ध रूप में बचा है, न कार्ल मार्क्स का वर्ग-संघर्ष वाला साम्यवाद। भारत जिस रास्ते पर चला था वर्तमान में वह रास्ता भूलकर पूंजीवाद के रास्ते पर चल पड़ा है। चीन की तरक्की भारत के रास्ते पर चलकर हुई, भारत उसी रास्ते से भटक गया।

पिछले पचास सालों में इस मिश्रण ने दुनिया को समृद्धि और स्थिरता दी है। लेकिन इसके साथ एक नया खतरा भी पैदा हुआ है, मोनोपोलिज़्म अर्थात् एकाधिकार और बाजारवाद का। अब असली मुद्दा यह नहीं है कि कोई देश साम्यवादी है या पूंजीवादी। असली खतरा यह है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने-अपने क्षेत्रों में एकाधिकार स्थापित कर रही हैं। आज आपके भोजन, दवा, वित्त, आवागमन, मीडिया और संचार—हर क्षेत्र में कुछ गिनी-चुनी कंपनियां हावी हो चुकी हैं।

टेक्नॉलजी क्षेत्र में गूगल, अमेज़न, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां; दवा और हेल्थ में फाइजर और जॉन्सन एंड जॉन्सन; वित्त में बड़े बैंक और निवेश कंपनियां—सबकी पकड़ इतनी मजबूत हो चुकी है कि ये कंपनियां सरकारों की नीतियों को भी प्रभावित करने लगी हैं। राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य होता है चुनाव जीतना और पूंजी जुटाना। ऐसे में सरकारें भी इन कॉर्पोरेट दिग्गजों के साथ खड़ी दिखाई देती हैं, न कि आम नागरिकों के साथ। नतीजा यह है कि लोकतंत्र धीरे-धीरे कॉरपोरेट हितों का विस्तार बनता जा रहा है। इसलिए आज की बहस पूंजीवाद बनाम साम्यवाद के ढांचे में फंसने की बजाय इस नए खतरे—मोनोपोलिज़्म—को केंद्र में रखकर होनी चाहिए। क्योंकि चाहे आप किसी भी विचारधारा के समर्थक हों, अगर आपके जीवन के हर पहलू पर कुछ कंपनियों का एकाधिकार स्थापित हो गया, तो आपकी स्वतंत्रता और अवसर दोनों ही सीमित हो जाएंगे। यह समय है कि हम विचारधाराओं की पुरानी बहस से बाहर निकलें और उन ताकतों पर ध्यान केंद्रित करें जो वास्तव में हमारे रोजगार, जीवन और भविष्य पर नियंत्रण कर रही हैं। असल सवाल है, कि क्या लोकतंत्र और समाज इन कॉर्पोरेट दिग्गजों के बढ़ते एकाधिकार को चुनौती दे पाएंगे, या हम सब बाजारवाद की मोनोपॉली की दुनिया के मात्र ग्राहक बनकर रह जाएंगे?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फ्लोर मिल्स ने केंद्र से गेहूं स्टॉक सीमा बढ़ाने का आग्रह किया

नई दिल्ली रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार से गेहूं सत्र की शुरुआत पर स्टॉक सीमा को मौजूदा 75 लाख टन से लगभग 140 फीसदी बढ़ाकर लगभग 184 लाख टन करने का अनुरोध किया है। यह मात्रा सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वार्षिक जरूरत के बराबर है। फेडरेशन के एक अे धिकारी के अनुसार, इससे गेहूं के दामों में उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रहेगा और बाजार में स्थिरता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम गेहूं बाजार को निश्चितता देगा और सरकार की भंडारण क्षमता एवं सब्सिडी नीति में भी सुधार होगा। उत्तर भारत के विशेषकर पंजाब राज्य में बाढ़ के कारण खेतों में जमा हुई गाद के चलते गेहूं की बोआई में देरी होने की संभावना जताई गई है। पंजाब के पांच जिलों में खेतों से बाढ़ की गाद हटाने में कुछ हफ्ते लग सकते हैं, जो गेहूं उत्पादन पर असर डाल सकता है। चितलांगिया ने मवेशियों के स्वास्थ्य और दूध की गुणवत्ता पर डीडीजीएस (ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स विद सॉल्यूबल्स) के प्रभाव का व्यापक अध्ययन कराने का भी आग्रह किया। उन्होंने बताया कि डीडीजीएस की बढ़ती मात्रा से मवेशियों के पाचन तंत्र और दीर्घकालिक उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आईवैल्यू इंफोसॉल्यूशंस का शेयर पांच प्रतिशत की गिरावट पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली आईवैल्यू इंफोसॉल्यूशंस` लिमिटेड का शेयर गुरुवार को शेयर बाजार में अपने निर्गम मूल्य 299 रुपए के मुकाबले करीब 5 फीसदी की गिरावट के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर की शुरुआत 285 रुपए पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 4.68 फीसदी कम है। बाद में यह और गिरकर 274.05 रुपए तक पहुंच गया, जो 8.34 फीसदी की गिरावट दर्शाता है। एनएसई पर शेयर 284.95 रुपए पर लिस्ट हुआ। कंपनी के 560 करोड़ रुपए के आईपीओ को अंतिम दिन 1.82 गुना अभिदान मिला था, जिसमें प्राइस बैंड 284-299 रुपए रखा गया था। कमजोर लिस्टिंग से संकेत मिलता है कि निवेशकों का उत्साह सीमित रहा। बाजार विशेषज्ञ इसके पीछे बाजार की मौजूदा अस्थिरता और प्राइसिंग को संभावित कारण मान रहे हैं। निवेशकों को अब कंपनी की लंबी अवधि की संभावनाओं पर ध्यान देना चाहिए।

सेबी के एनओसी के बाद आठ-नौ महीने में आएगा एनएसई का आईपीओ

नई दिल्ली नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आईपीओ को मंजूरी मिलने में करीब 8 से 9 महीने लग सकते हैं। एनएसई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि सेबी से जून 2025 में सेटलमेंट के लिए आवेदन किया गया था। सेबी से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिलने के बाद आरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) तैयार करने में 4-5 महीने लगेंगे। इसके बाद आरएचपी जमा कराकर आईपीओ की अंतिम मंजूरी में फिर 4-5 महीने का समय और लगेगा। कुल मिलाकर, एनओसी मिलने के बाद 8-9 महीने में एनएसई का आईपीओ बाजार में आ जाएगा।

अब कतर में भी चलेगा यूपीआई

भारतीयों के लिए आसान हुआ डिजिटल पेमेंट

मुंबई भारत का लोकप्रिय डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब कतर में भी शुरू हो गया है। यह सुविधा एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और कतर नेशनल बैंक (क्यूएनबी) के बीच हुई साझेदारी के तहत शुरू की गई है। इसके अंतर्गत अब क्यूएनबी के प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों पर भारतीय यूपीआई ऐप्स के जरिए क्यूआर कोड स्कैन कर पेमेंट किया जा सकेगा। इस सेवा की शुरुआत कतर ड्यूटी फ्री से हुई है, जो यूपीआई स्वीकार करने वाला पहला मर्चेंट बना है। कतर जाने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों में भारतीयों की संख्या काफी अधिक है, और अब उन्हें करेंसी एक्सचेंज या कैश ले जाने की परेशानी नहीं होगी। अब भारतीय यात्री दुकानों, रेस्टोरेंट्स और टूरिस्ट स्थानों पर मोबाइल से तुरंत और सुरक्षित पेमेंट कर सकेंगे। यह सुविधा न केवल यात्रियों के लिए फायदेमंद है, बल्कि कतर की अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचाएगी।

रूस से कच्चे तेल का आयात सितंबर में बढ़ने की संभावना

भारत ने रूस से अब तक औसतन 16.3 लाख बैरल प्रति दिन कच्चा तेल आयात किया

नई दिल्ली

अगस्त की तुलना में सितंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ने की संभावना है। केप्लर के शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार 24 सितंबर तक भारत ने रूस से औसतन 16.3 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चा तेल आयात किया है। अगस्त में यह आंकड़ा 17.1 लाख बीपीडी था। महीने के अंत तक रूस से तेल आयात में लगभग 2 लाख बीपीडी की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बीना रिफाइनरी में फिर से रूस से तेल आयात शुरू होने से यह वृद्धि संभव हो पाई है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया था, जो अब कुल 50 प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा है। यूरोपीय संघ ने भी रूस से तेल पर मूल्य सीमा घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दी है और कुछ रिफाइनरियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। फिर भी, भारत के रिफाइनर रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं क्योंकि सरकार की ओर से आयात रोकने का कोई निर्देश नहीं आया है। भारत ने रूस के अलावा सऊदी अरब, इराक, और संयुक्त अरब अमीरात से भी कच्चे तेल का मजबूत आयात जारी रखा है। सितंबर में सऊदी अरब और इराक से क्रमशः 6.05 लाख और 7.86 लाख बीपीडी तेल आयात हुआ। यूएई से तेल आयात भी 5.32 लाख बीपीडी पहुंच गया है। साथ ही, अमेरिका से भी भारत का तेल आयात लगभग

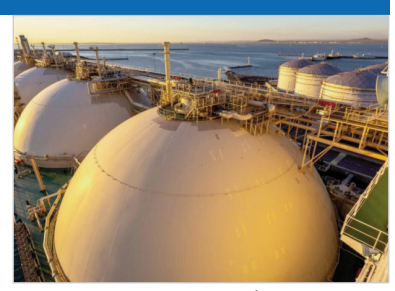

2.2 लाख बीपीडी बना हुआ है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात पर निर्भर करता है, जबकि केवल 15-25 प्रतिशत घरेलू उत्पादन होता है। इसलिए भारत तेल आपूर्ति में विविधता लाने का प्रयास कर रहा है ताकि भू-राजनीतिक जोखिमों से बचा जा सके।

देश के सात शहरों में कार्यालय स्थल की पट्टा मांग में एक फीसदी गिरावट

जुलाई-सितंबर तिमाही में सात प्रमुख शहरों में कुल मांग 172 लाख वर्ग फुट रही

नई दिल्ली देश के वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के दौरान हल्की सुस्ती देखने को मिली है। एक रियल एस्टेट सलाहकार की रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में देश के सात प्रमुख शहरों में ऑफिस पट्टे की सकल मांग 1 प्रतिशत घटकर 172 लाख वर्ग फुट रह गई। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह मांग 174 लाख वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गिरावट की मुख्य वजह बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रमुख बाजारों में मांग में आई भारी कमी है। बेंगलुरु में पट्टे की मांग 25 फीसदी घटकर 47 लाख वर्ग फुट रही। दिल्ली-एनसीआर में यह 33 फीसदी गिरकर 16 लाख वर्गफुट पर आ गई वहीं हैदराबाद में 48 फीसदी तक की गिरावट संभावित है। हालांकि रिपोर्ट में इन शहरों में गिरावट के कारणों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। इसके विपरीत, मुंबई, पुणे और चेन्नई जैसे शहरों में ऑफिस पट्टे की मांग में वृद्धि की संभावना जताई गई है, जिससे बाजार को संतुलन मिला है।

शिप निर्माण और समुद्री इकोसिस्टम को नई रफ्तार, केंद्र ने शुरू की मेगा योजना

पानी के जहाज निर्माण के लिए 69,725 करोड़ रुपये का पैकेज

नई दिल्ली केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में पानी के जहाजों के निर्माण और क्षमता विकास के लिए 69,725 करोड़ रुपये के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। यह पैकेज तीन मुख्य योजनाओं में विभाजित है: संशोधित जहाज निर्माण वित्त सहायता योजना (24,736 करोड़), समुद्री विकास कोष (25,000 करोड़) और जहाज निर्माण क्लस्टर विकास कार्यक्रम (19,989 करोड़)। यह योजना घरेलू क्षमता मजबूत करने, लंबी अवधि के ऋण प्रदान करने, नई परियोजनाएं विकसित करने और तकनीकी कौशल सुधारने पर केंद्रित है। इस एक दशक की योजना में 4.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा और 2,500 पानी के जहाजों का निर्माण होगा। मंत्रिमंडल ने अगले चार वर्षों में मेडिकल शिक्षा में 10,000 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट सीटों के विस्तार की मंजूरी दी है। इसके तहत सरकारी मेडिकल कॉलेजों की मौजूदा 5,023 एमबीबीएस सीटों को बढ़ाया जाएगा, जिससे चिकित्सा क्षेत्र में शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा। राष्ट्रीय राजमार्ग 139 डब्ल्यू साहेबगंज-अरेराज-बेतिया खंड के 78.94 किलोमीटर हिस्से को चार लेन करने की योजना को मंजूरी मिली है, जिसकी अनुमानित लागत 3,822.31 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, बिहार में बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेलवे लाइन (104 किमी) के डबलिंग के लिए 2,192 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 555, निफ्टी 166 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 555.95 अंक नीचे आकर 81,159.68 और 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी 166.05 अंक टूटकर 24,890.85 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान आईटी , फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों के नीचे आने से बाजार पर दबाव पड़ा। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.27 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। वहीं निफ्टी ऑटो 0.92 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.52 फीसदी, निफ्टी वित्तीय सेवा 0.53 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 1.65 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। केवल निफ्टी मेटल 0.22 फीसदी और निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.67 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान ट्रेंट, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, टीसीएस, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम,एचसीएल टेक, एलएंडटी, टाइटन और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक नीचे आये जबकि बीईएल, भारती एयरटेल और एक्सिस बैंक के शयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ। जानकारों के अनुसार निवेशकों के सतर्क रवैये से भी बाजार नीचे आया है। एच-1बी वीजा नियमों में संभावित बदलाव को लेकर भी आईटी सेक्टर पर दबाव बना हुआ है, जिससे भी बाजार में अस्थिरता देखी गयी।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। एशियाई बाजारों से मिले-जुले रुख और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के कारण निवेशकों में सतर्कता देखी गई। हालांकि शुरुआती गिरावट के बाद घरेलू खरीदारी के समर्थन से बाजार थोड़ा संभला। बीएसई सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 81,574 पर खुला, वहीं, निफ्टी-50 ने 25,034 के स्तर से शुरुआत की और थोड़ी ही देर में 25,072 पर पहुंच गया, जो 0.06 फीसदी की मामूली बढ़त दर्शाता है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बुधवार को भारतीय बाजारों से 2,426 करोड़ की बिकवाली की। वैश्विक बाजारों से भी उत्साहजनक संकेत नहीं मिले। अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरे। नैस्डैक 0.33 फीसदी, एसएंडपी 500 में 0.28 फीसदी और डॉव जोन्स में 0.37 फीसदी की गिरावट रही।

अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती, दूसरी छमाही में अच्छी वृद्धि के संकेतः आरबीआई

रीपो दर में कटौती, आयकर में राहत और रोजगार बढ़ाने के उपायों से निवेश और उपभोग को बल

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा मासिक आर्थिक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के साझा प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, नीतिगत रीपो दर में 100 आधार अंकों की कटौती, आयकर में राहत और रोजगार सृजन के उपायों से निवेश और विकास का सकारात्मक चक्र शुरू हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हालिया वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से खुदरा कीमतों में गिरावट आएगी, जिससे उपभोग मांग को बल मिलेगा। अगस्त के उच्च आवृत्ति संकेतकों के आधार पर आरबीआई ने आर्थिक गतिविधियों में मजबूती का संकेत दिया है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दशक के उच्चतम स्तर पर हैं। वित्त वर्ष 2026 में आरबीआई ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जिसमें तीसरी तिमाही में 6.6 फीसदी और चौथी तिमाही में 6.3

फीसदी वृद्धि की संभावना है। पहली तिमाही में अनुमानित 6.5 फीसदी की तुलना में वास्तविक वृद्धि 7.8 फीसदी रही, जो पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि अमेरिका द्वारा आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था ने लचीलापन दिखाया है। एसऐंडपी द्वारा सॉवरिन रेटिंग में सुधार भी भारत की आर्थिक मजबूती का संकेत है।

हर 10 में से 4 रूफटॉप सोलर आवेदन हुए खारिज, सिबिल स्कोर बना बड़ी वजह

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबीएस) ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत फरवरी 2024 में इसकी शुरुआत से अगस्त 2025 तक प्राप्त कुल 8,03,515 आवेदनों में से 3,05,667 आवेदन खारिज कर दिए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 38.03 प्रतिशत आवेदनों को अस्वीकार कर दिया गया है। घर की छतों पर सौर बिजली संयंत्र लगाने को बढ़ावा देने और 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए फरवरी 2024 में करीब 75,021 करोड़ रुपये आवंटन के साथ योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत सरकारी बैंकों ने कुल 447,736 आवेदन स्वीकार कर लगभग 8,417.5 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। सरकारी बैंकों के अलावा निजी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां भी इस योजना के तहत ऋण को मंजूरी देती हैं। इस साल अगस्त में केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा संसद में दिए गए जवाब में बताया कि राष्ट्रीय पोर्टल पर कुल 58 लाख आवेदन आए और इस साल 31 जुलाई तक इस योजना के तहत 16 लाख परिवारों को रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का लाभ मिला है। सरकारी पोर्टल के मुताबिक योजना के तहत 16 लाख रूफटॉप संयंत्र लगाए गए हैं, जबकि 61 लाख आवेदन मिले थे।

डीआरडीओ और टाटा ने तैयार किया अत्याधुनिक व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म

मॉड्यूलर लड़ाकू वाहन से भारत को रक्षा क्षेत्र में मजबूती, मोरक्को में टाटा की नई विनिर्माण इकाई शुरू

नई दिल्ली

भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने मिलकर एक अत्याधुनिक पहियों वाला बख्तरबंद लड़ाकू वाहन व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म विकसित किया है। यह पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और अब इसके सभी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं। व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म एक आधुनिक मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म है, जिसे विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इसमें स्केलेबल बैलिस्टिक और माइन प्रोटेक्शन, टिकाऊ मोनोकॉक हल, स्वतंत्र सस्पेंशन सिस्टम, सेंट्रल टायर इन्फ्लेशन सिस्टम और उच्च-शक्ति इंजन जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। ये सभी विशेषताएं इसे कठिन भू-भाग में भी कुशल संचालन के योग्य बनाती हैं। यह प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार की सैन्य भूमिकाएं निभा सकता है जैसे कि पैदल सेना लड़ाकू वाहन, बख्तरबंद कार्मिक वाहक, टोही वाहन, कमांड पोस्ट, मोर्टार वाहक और सैन्य एम्बुलेंस। इसमें मानवयुक्त या मानवरहित रिमोट हथियार स्टेशन और एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल जैसी क्षमताएं भी जोड़ी जा सकती हैं। इससे जुड़ा एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम 23 सितंबर को देखने को मिला, जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मोरक्को के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लौदी ने मोरक्को के बेरेकिड में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की रक्षा विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया। ।

मानस पॉलिमर्स एंड एनर्जीज़ लिमिटेड का आईपीओ 26 सितंबर को खुलेगा

मुंबई

पॉलीमर और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सक्रिय मानस पॉलिमर्स एंड एनर्जीज़ लिमिटेड, अपने व्यापार को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ की घोषणा की है, जो 26 सितंबर 2025 को खुलेगा और 30 सितंबर 2025 को बंद होगा।

यह सार्वजनिक निर्गम कंपनी की महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से ₹23.52 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखती है, जिसमें 29.04 लाख नए शेयर जारी किए जाएँगे। शेयरों का मूल्य ₹76 से ₹81 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है और इसका लॉट साइज़ 1600 शेयर होगा। जुटाई गई पूँजी का उपयोग मुख्य रूप से सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए किया जाएगा, जिसके लिए ₹1,350 लाख आवंटित किए गए हैं। कंपनी का लक्ष्य अपनी सौर ऊर्जा क्षमता को 1 मेगावाट से बढ़ाकर 5 मेगावाट करना है।

मानस पॉलिमर्स के प्रबंध निदेशक विनीत भदौरिया ने इस अवसर पर कहा, यह आईपीओ

हमारी विकास यात्रा का एक निर्णायक मोड़ है। हम निवेशकों को हमारे भविष्य के विकास का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। इस दौरान इसका राजस्व ₹3,154.4 लाख रहा, जबकि एबिटा और पीएटी क्रमशः ₹570.8 लाख (18.1व मार्जिन) और ₹429.3 लाख (13.6व मार्जिन) रहे। ग्वालियर, मध्य प्रदेश में स्थित अपने अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र से, मानस पॉलिमर्स पीईटी प्रीफॉर्म, बोतलें, जार और कैप्स का उत्पादन करती है और इसे 16 राज्यों में आपूर्ति करती है।

इसके साथ ही, कंपनी अक्षय ऊर्जा उत्पादन में भी सक्रिय है, जो स्वच्छ ऊर्जा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

भारत में ट्रैक्टर और टू-व्हीलर सेगमेंट में बंफर ब्रिकी की उम्मीद

नई दिल्ली

भारत में ट्रैक्टर और टू-व्हीलर सेगमेंट वित्त वर्ष 2025 में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। आईसीआरए की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रैक्टर इंडस्ट्री में चालू वित्त वर्ष में 4-7 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, जबकि टू-व्हीलर इंडस्ट्री में भी अच्छी बढ़त दर्ज होने की बात की जा रही है। ट्रैक्टर सेगमेंट ने अब तक वित्त वर्ष में अच्छा प्रदर्शन किया है। अगस्त 2025 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 28.2 प्रतिशत बढ़ी, और वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में कुल वृद्धि 11.7 प्रतिशत रही। खुदरा बिक्री भी पिछले वर्ष की तुलना में अगस्त में 30.1 प्रतिशत बढ़ी, जो किसानों के सकारात्मक रुख को दिखाती है। आईसीआरए ने बताया कि 17 सितंबर तक देश में औसत बारिश 108 प्रतिशत रही, इससे कृषि गतिविधियों और ग्रामीण मांग में तेजी दिखाई दी है। ट्रैक्टर पर 5 प्रतिशत जीएसटी रेट और आगामी बीएस-6 उत्सर्जन मानदंड (1 अप्रैल 2026 से लागू) के कारण प्री-बाइंग की गतिविधियां भी बढ़ेंगी। स्थिर मांग, परिचालन लाभ और कच्चे माल की स्थिर कीमत के चलते ट्रैक्टर निर्माताओं का वित्तीय प्रदर्शन बेहतर रहेगा। दूसरी ओर, टू-व्हीलर इंडस्ट्री में अगस्त में थोक बिक्री 7.2 प्रतिशत बढ़कर 18 लाख यूनिट हुई। हालांकि, भारी बारिश और जीएसटी लाभ की उम्मीद के कारण खुदरा बिक्री में केवल 2.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। निर्यात ने भी योगदान दिया, अगस्त में विदेशी शिपमेंट 27.5 प्रतिशत बढ़ा। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री में भी लगातार सुधार जारी है, अगस्त में 1,04,725 यूनिट बिकीं, जो पिछले महीने से 1.8 प्रतिशत अधिक है। टू-व्हीलर सेगमेंट में ईवी पेनेट्रेशन करीब 6-7 प्रतिशत पर स्थिर है। चालू वित्त वर्ष में घरेलू टू-व्हीलर बिक्री 6-9 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिप्लेसमेंट डिमांड, शहरी बाजार में सुधार, अच्छी मानसून बारिश और जीएसटी कट से वाहन अधिक किफायती होंगे, जिससे सेगमेंट को मजबूती मिलेगी और उपभोक्ता खरीदारी बढ़ेगी। इस प्रकार, मजबूत मानसून, टैक्स रियायत और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता इस वित्त वर्ष में ट्रैक्टर और टू-व्हीलर इंडस्ट्री के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

एआई बूम से चमके लैरी एलिसन, बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

95 फीसदी संपत्ति दान करने का वादा

मुंबई

ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति 368 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में आई तेजी के कारण ओरेकल के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया, जिससे एलिसन की संपत्ति में 176 अरब डॉलर का इजाफा हुआ।

अभी वे केवल टेस्ला के सीईओ एलन मस्क (458 अरब डॉलर) से पीछे हैं। एलिसन की संपत्ति भारत के शीर्ष 8 उद्योगपतियों मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, सावित्री जिंदल, शिव नाडर, शापूर मिस्त्री, सुनील मित्तल, लक्ष्मी मित्तल और अजीम प्रेमजी की कुल संपत्ति के बराबर है।

हालांकि, कम लोग जानते हैं कि एलिसन ने 2010 में गिविंग प्लेज पर हस्ताक्षर करते हुए अपनी 95 फीसदी संपत्ति दान करने का वादा किया था।

वे परंपरागत एनजीओ या चैरिटी के बजाय अपनी शर्तों पर और अपने संस्थान के ज़रिए परोपकार करना पसंद करते हैं। उनका प्रमुख परोपकारी मंच है इे लिशन इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी (ईआईटी) जो स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और एआई रिसर्च जैसे क्षेत्रों में कार्य करता है।

ईआईटी का नया कैंपस 2027 तक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में खुलेगा, जिसकी लागत 1.3 अरब डॉलर है।

हालांकि, हाल ही में संस्थान को नेतृत्व संकट का सामना करना पड़ा। 2024 में नियुक्त रिसर्च प्रमुख जॉन बेल ने 2025 में इस्तीफा दे दिया। इसके बाद मिशिगन यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष सांता ओनो को परियोजना में जोड़ा गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज लिए भारतीय क्रिकेट टीम घोषित शुभमन ही रहेंगे कप्तान , जडेजा उपकप्तान बने

-करुण और अभिमन्यु बाहर हुए, नीतीश व देवदत्त शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भी शुभमन गिल ही कप्तान रहेंगे पर उपकप्तानी में बदलाव करते हुए रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड दौरे में उपकप्तान रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया है।

वहीं बल्लेबाज करुण नायर और अभिमन्यु ईश्वरन को टीम में जगह नहीं मिली है, ये दोनों इंग्लैंड दौरे पर टीम में शामिल थे। दूसरी ओर युवा ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी और देवदत्त पडिक्कल को टीम में शामिल किया गया है।

करुण इसलिए हुए बाहर

करुण के इस सीरीज से बाहर होने के साथ ही उनका टेस्ट करियर समाप्त माना जा रहा है। इसका कारण है कि आठ साल बाद वापसी करते हुए इंग्लैंड दौरे वह कुछ खास नहीं कर पाये। चार टेस्ट की आठ पारियों में वह 205 रन ही बना पाए थे।

पडिक्कल को इस कारण मिली जगह

देवदत्त पडिक्कल को कुछ दिन पहले ही ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ शानदार 150 रनों की पारी खेलने के लिए टीम में जगह मिली है।

ऋषभ के फिट नहीं होने से जुरेल को मिला अवसर

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। इस कारण उनकी जगह जुरेल विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद बने।

नीतीश रेड्डी को इस कारण मिली जगह

पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के कारण नीतीश को एक बार फिर टीम में अवसर मिला है। इंग्लैंड दौरे में उन्हें चोटिल होने के कारण बीच में ही लौटना पड़ा था।

टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम

टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2 अक्टूबर से 6 अक्टूबर के बीच होगा जबकि दूसरा टेस्ट अरुण जेटली स्टेडियम में 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार है- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी, एन जगदीशन, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव।

जापान ओपन: चोटिल अल्कराज ने सेबेस्टियन बाएज को हराया

टोक्यो (एजेंसी)। विश्व के नवंबर टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने गुरुवार को जापान ओपन टेनिस के पहले दौर में अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज को 6-4, 6-2 से हराकर एक भयावह चोट के डर को मात दी।

एरियाके कोलोसियम में खेले गये मुकाबले में उस समय सन्नाटा छा गया जब स्पेन के दिग्गज अल्काराज मैच के 20 मिनट बाद दर्द से कराहते हुए पीठ के बल गिर पड़े और उनका सिर और बायां टखना दोनों ही चोटिल हो गए। उन्हें चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ी। लेकिन छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने न केवल पहला सेट जीता, बल्कि बारिश के कारण देरी के बाद भी अर्जेंटीना के अपने प्रतिद्वंद्वी को मात दी। वे चिकित्सा सहायता के लिए बेंच पर गए और वापसी करने में कामयाब रहे, उन्होंने अपना दूसरा ब्रेक पॉइंट हासिल करके 5-4 की बढ़त बना ली। इसके बाद अल्काराज को एक बड़ा ब्रेक मिला क्योंकि कोर्ट पर बारिश शुरू हो गई थी, जिससे छत बंद करने के लिए खेल 20 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया, इस दौरान उनके टखने पर पट्टी लगी हुई थी। दो बार खेल स्थगित होने के बाद अल्काराज ने सेट पूरा किया और दूसरे सेट पर पूरी तरह नियंत्रण के साथ 90 मिनट में जीत हासिल कर ली।

मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैच की शुरुआत में जो कुछ भी हुआ, उसके अलावा मैंने बेहतरीन टेनिस खेला। मैं जीत हासिल करके खुश हूं और मुझे खुशी है कि मैं मैच के अंत तक खेल पाया।' अलकाराज को उम्मीद है कि वह शनिवार को बेल्जियम के जिजो बर्म्स के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले में खेल सकते हैं, लेकिन वह अपनी उपलब्धता के बारे में पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं थे। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता, अगले मैच से पहले मेरे लिए यह डेढ़ दिन का महत्वपूर्ण समय है। देखते हैं क्या होता है। मैं अच्छी स्थिति में रहने के लिए जो भी करना होगा, करुंगा और मैं अगले दौर में खेलने के लिए तैयार हूं।'

अभिषेक ने एशिया कप में रोहित और जयसूर्या का रिकार्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मुकाबले में पांच छक्के लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अभिषेक ने इस मैच में रोहित शर्मा का भारत की ओर से एशिया कप में सबसे अधिक 12 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ दिया। वहीं दुनिया भर की बात करे तो सबसे अधिक 14 छक्के का रिकार्ड श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनत जयसूर्या का था और वह भी अभिषेक ने तोड़ दिया। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अभिषेक ने पहला छक्का लगाते ही रोहित के 12 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब तक अभिषेक ने 17 छक्के लगा दिये हैं। अभिषेक ने बांग्लादेश के खिलाफ 37 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 75 रन बनाये।

अभिषेक ने इसी के साथ ही एशिया कप के एक संस्करण में किसी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के जयसूर्या के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। जयसूर्या ने एशिया कप के एक ही सत्र में 14 छक्के लगाये थे।

एक एशिया कप में किसी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक छक्के

17 - अभिषेक शर्मा (भारत) - टी20, 2025

14 - सनथ जयसूर्या (श्रीलंका) - एकदिवसय, 2008

13 - रोहित शर्मा (भारत) - एकदिवसीय, 2018

12 - शाहिद अफरीदी (पाकिस्तान) - एकदिवसीय, 2010

12 - रहमानुल्लाह गुरबाज (अफगानिस्तान) - टी20, 2022।

श्रेयस ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए कप्तान बनाये गये

-ईरानी कप में रजत शेष भारत टीम की कप्तानी करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत ए के कप्तान बनाये गये हैं। ये सीरीज 30 सितंबर से कानपुर में शुरु होगी। वहीं श्रेयस के अभी टेस्ट टीम में वापसी की संभावना नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार श्रेयस ने फिट नहीं होने के लिए अगले छह माह तक टेस्ट नहीं खेलने की बात कही है।

अय्यर ने हाल ही में चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को बताया है कि वह कमर की तकलीफ के कारण अभी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल सकते। इसी कारण उन्हें वेस्टइंडीज दौरे के लिए भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ए टीम में स्पिनर रवि बिश्नोई, विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह, हरफनमौला रियान पराग और आयुष बदोनी को भी शामिल किया गया है।वहीं भारतीय टीम के साथ यूएई में एशिया कप खेल रहे हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह पहला मैच नहीं खेल पायेंगे और इसके बाद के दो मैचों के लिए टीम से जुड़ जाएंगे। दूसरी ओर रजत पाटीदार को विदर्भ के खिलाफ नागपुर में एक अक्टूबर से होने वाले ईरानी कप मैच के लिए शेष भारत की कप्तानी मिली है। पहले एकदिवसीय के लिए भारत ए टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधू, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, प्रियांश आर्य और सिमरजीत सिंह।

दूसरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए भारत ए टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधू, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह

शेष भारत टीम (ईरानी कप)- रजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन , आर्यन जुयाल, रूतुराज गायकवाड़, यश दुल, शेख रशीद, ईशान किशन, तनुष कोटियान, मानव सुतार, गुरनूर बरार, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कम्बोज और सारांश जैन।

सैमसन को पांचवें नंबर पर भी नहीं उतारने से गंभीर की रणनीति पर उठे सवाल

मुम्बई । बांग्लादेश के खिलाफ हुए सुपर फोर मैच में पांच विकेट गिरने के बाद भी संजू सैमसन को बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजने को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर टीम आलोचकों के निशाने पर हैं। इस मैच में सैमसन से पहले शिवम दुबे और अक्षर पटेल को उतार दिया गया। वहीं संजू बैठे रह गये। इससे टीम अधिक रन नहीं बना पायी। अक्षर पटेल 15 गेंदों में 10 रन और शिवम दुबे 3 गेंदों में 2 रन ही बना लाये। ऐसे में गंभीर की रणनीति पर फिर सवाल उठे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में जो टीम शीट थी, उसके अनुसार सैमसन को पांचवे नंबर पर उतरना था पर वह नंबर 7 तक नजर नहीं आये। वहीं टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा था कि मैनेजमेंट संजू सैमसन को नंबर 5 पर उतारना चाहता था।

सैमसन टी20 विश्व कप 2024 के बाद से ही पारी शुरु कर रहे थे पर शुभमन गिल की वापसी के कारण उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। अपना बांग्लादेश के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी क्रम में काफी बदलाव देखा गया। शिम दुबे नंबर तीन पर उतरे, चार पर कप्तान सूर्यकुमार यादव आए, पांच पर हार्दिक पांड्या, 6 पर तिलक वर्मा और सात पर अक्षर पटेल ने बल्लेबाजी की। इसपर पूर्व क्रिकेटर डोडा गणेश ने नाराजगी जतायी है। उन्होंने कहा, 'सैमसन को आठवें नंबर पर रखना किसी भी तरीके से गलत था।'

विराट के विश्वकप खेलने की संभावनाएं कम हुई, बीसीसीआई से संवादहीनता भी बन रही कारण

मुम्बई । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के 2027 के एकदिवसीय विश्वकप में खेलने की संभावनाएं कम ही हैं। इसका कारण ये है कि विराट ने अभी तक अपने खेलने को लेकर किसी भी प्रकार के संकेत नहीं दिये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार विराट और क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच संवादहीनत से भी विराट के एकदिवसीय करियर को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं हो रहा है। विराट ने इस साल टेस्ट से संन्यास ले लिया। पिछले साल उन्होंने भारत के टी20 विश्व कप जीतने के बाद वह प्रारुप छोड़ दिया था। वह एकदिवसीय में अंतिम बार भारत के लिए इस साल चैंपियंस ट्रॉफी में दिखे थे, जिसमें टीम इंडिया चैंपियन बनी थी। इस साल आईपीएल फाइनल के बाद कोहली प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से पूरी तरह दूर हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन चाहता है था कि अक्टूबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होम सीरीज का हिस्सा रहें पर चयनकर्ताओं ने उनका नाम शामिल नहीं किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है अक्टूबर में होने वाला ऑस्ट्रेलिया दौर विराट के करियर का अंतिम दौरा होगा।

खत्म हो जाएगा मोहम्मद शमी का करियर! वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में नहीं मिली जगह, अजीत अगरकर ने बताई बाहर होने की वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद शमी को एक बार फिर मौका नहीं मिला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उनकी फिर अनदेखी हुई है। ये दूसरा मौका है जब वह टीम इंडिया में अपनी जगह नहीं बना पाए हैं। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शमी के बाहर ने की वजह बताई है। अजीत अगरकर ने कहा कि, उन्हें पता नहीं है कि शमी कितने फिट हैं और उन्होंने ज्यादा क्रिकेट नहीं खेली है।

बता दें कि, शमी ने आखिरी बार दलीप ट्रॉफी के दौरान लाल गेंद से क्रिकेट खेला था। ईस्ट जोन के लिए वह प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए। शमी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला था। अगरकर ने कहा कि, इस तेज गेंदबाज ने पिछले कुछ सालों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा मैच नहीं खेले हैं और उन्हें टीम में वापसी के लिए घरेलू टूर्नामेंट में और ज्यादा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

शमी के बारे में पूछने पर अगरकर ने कहा कि अभी उन्हें पता नहीं है कि वह कितने फिट हैं। उन्होंने कहा कि, हमें कोई अपडेट नहीं मिली है। मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले 2-3 सालों में ज्यादा क्रिकेट नहीं खेली है। पिछले दो तीन साल में बंगाल के लिए एक मैच और दलीप ट्रॉफी का एक मैच खेला है। ऐसे में शमी के लिए टेस्ट करियर लगभग खत्म होने के कगार पर है।

महिला निशानेबाजों ने 50 मीटर राइफल प्रोन में किया क्लीन स्वीप

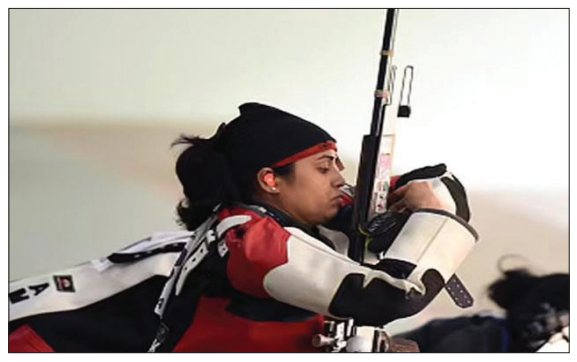

नयी दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला निशानेबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया तो वहीं पुरुषों ने इसी स्पर्धा में एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया जिससे देश ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में मजबूत शुरूआत की। कजाखस्तान में एशियाई चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस का जूनियर स्वर्ण पदक जीतने वाली युवा अनुष्का ठोकुर ने डा. कर्णी सिंह रेंज में 621.6 अंक से पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस गैर ओलंपिक स्पर्धा में 18 साल की अंशिका ने 619.2 अंक से रजत पदक और 20 साल की आध्या अग्रवाल ने 615.9 अंक से कांस्य पदक जीता। पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में दीपेंद्र सिंह शेखावत ने रजत पदक और रोहित कन्यान ने कांस्य पदक हासिल किया। दीपेंद्र ने 617.9 अंक जबकि रोहित ने 616.3 अंक बनाए। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट कामिल नुरियाखमेतोव ने 618.9 अंक बनाकर जीता। वहीं तीन अन्य भारतीय नितिन वाघमारे, कुशाग्र सिंह और कुणाल शर्मा क्रमशः पांचवें, आठवें और 11वें स्थान पर रहे।

राहुल चाहर सरे की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलने नजर आयेंगे

लंदन (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर राहुल चाहर अब सरे की ओर से इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने हुए नजर आयेंगे। राहुल को सरे ने हैम्पशर के ख़िलाफ होने वाले सत्र के अंतिम मैच के लिए शामिल किया है। सरे का प्रयास चौथी बार काउंटी चैंपियनशिप ख़िताब अपने नाम करना है। चाहर को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नियमों के अनुसार, सितंबर की शुरुआत में सरे के लिए खेलने के लिए पंजीकृत किया गया था। नॉटिंघमशर के खिलाफ मैच में सरे को 20 रनों से हार मिली जिसका मतलब था कि ख़िताबी दौड़ का नियंत्रण नॉटिंघमशर के हाथ में चला गया। चाहर नियमित रूप से राजस्थान के लिए रणजी ट्रॉफ़ी में खेलते रहे हैं और इस सत्र के आईपीएल में भी सनराइज़र्स हैदराबाद के लिए एक उतरे थे। कुल मिलाकर, उन्होंने 24 प्रथम श्रेणी मैचों में 26.12 की औसत से 87 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 148 रन देकर 9 विकेट रहा है। उन्होंने 2019 और 2021 के बीच भारत के लिए एक वनडे और छह टी20 इंटरनेशनल मैच भी खेले हैं। उन्होंने 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस की खिताबी जीत में जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। चाहर ने कहा, मैं इस हफ़्ते के मैच के लिए सरे से जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। मैं यहां प्रभाव डालने और सीजन के आखिरी मैच में टीम की सहायता करने आ रहा हूं। उन्हें सरे के दोनों मौजूदा स्पिन गेंदबाजों , विल जैक्स और कैम स्टील के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किया गया है। क्लब के हाई-परफॉर्मेंस सलाहकार, एलेक स्टीवर्ट ने कहा, राहुल को टीम में शामिल करने से हमें एक और स्पिन गेंदबाजी विकल्प मिल गया है। उन्होंने कहा, हमें हमेशा से पता था कि सत्र के आखिरी दौर में हमारे खिलाड़ी नहीं खेल पाएंगे और हमने संभावित मैदानों और जिस प्रतिद्वंद्वी टीम से हम खेल रहे हैं, उसे देखते हुए उसी के अनुसार योजना बनाने का प्रयास किया।

स्टोक्स एशेज में इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे, ब्रूक होंगे उपकप्तान

लंदन । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु हो रही पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज के लिए ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को कप्तान बनाया है। वहीं उभरते हुए बल्लेबाज हैरी ब्रूक को उप-कप्तान बनाया गया है। एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम नवंबर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया जाएगी। अनुभवी तेज गेंदबाज मार्क वुड और स्पिनर शोएब बशीर को भी टीम में शामिल किया गया है। युवा तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स और ऑलराउंडर विल जैक की भी टीम में वापसी हुई है। पॉट्स को एक साल बाद जबकि विल को तीन साल बाद फिर खेलने का अवसर मिला है। इंग्लैंड की टीम एशेज सीरीज के लिए नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जहां वह पांच टेस्ट मैच खेलेगी। एशेज सीरीज 21 नवंबर से शुरू होकर 8 जनवरी 2026 तक चलेगी। दोनों टीमों के बीच एशेज सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में 21 से 25 नवंबर, दूसरा ब्रिस्बेन में 04 से 08 दिसंबर, तीसरा एडिलेड में 17 से 21 दिसंबर, चौथा मेलबोर्न में 26 से 30 दिसंबर और पांचवा मुकाबला 04 जनवरी से 08 जनवरी तक खेला जाएगा।

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक (उप-कप्तान), ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टोंग, मार्क वुड।

एशिया कप में कैच छोड़ना बना भारत की सबसे बड़ी चुनौती, भारत के आंकड़े चौंकाने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशिया कप 2025 के फ़ाइनल में जगह पक्की कर ली है और खिताब की रेस में वह सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। लेकिन टीम की सबसे बड़ी चिंता है मैदान पर कैच छोड़ना। अब तक इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने 12 कैच छोड़े हैं, जो किसी भी टीम से ज़्यादा हैं। यह आंकड़ा बताता है कि टीम का सबसे कमजोर पहलू फ़ील्डिंग बनता जा रहा है।

कैचिंग आंकड़े चौंकाने वाले

भारत की कैचिंग सफलता दर केवल 67.5त्न है, जो हांगकांग चीन के बाद टूर्नामेंट में सबसे खराब है। दूसरे शब्दों में, हर तीसरे मौके पर गेंदबाज़ों की मेहनत बेकार चली जाती है। यही वजह है कि मज़बूत बैटिंग और गेंदबाज़ी के बावजूद भारत को फील्डिंग पर सवाल झेलने पड़ रहे हैं।

वरुण चक्रवर्ती की साफ राय

चार कैच तो अकेले वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाज़ी पर छूटे हैं। बांग्लादेश मैच के बाद उन्होंने साफ शब्दों में कहा,

''इस टीम को विश्व कप तक एक मिशन के लिए चुना गया है। हमें फ़ील्डिंग में सुधार करना होगा। पिछले मैच के बाद कोच ने कुछ नहीं कहा था, लेकिन आज के बाद उनके पास कहने को बहुत कुछ होगा।'

'रिंग ऑफ फायर' में मुश्किलें

दुबई का इंटरनेशनल स्टेडियम, जिसे 'रिंग ऑफ फ़ायर' कहा जाता है, अपने फ्लडलाइट्स और नमी की वजह से फील्डरों के लिए मुश्किलें खड़ी करता है। गेंद अचानक नीचे गिरती हुई नज़र आती है और कई बार हाथ से फिसल जाती है। वरुण ने माना कि माहौल चुनौतीपूर्ण है, लेकिन साथ ही जोड़ा, 'इस स्तर पर आप बहाने नहीं बना सकते। हर कैच पकड़ना ही होगा।'

फाइनल से पहले चेतावनी

भारतीय टीम फाइनल तक पहुंच चुकी है, लेकिन अब एक भी गलती भारी पड़ सकती है। किसी बड़े मैच का पासा अक्सर एक ही छूटे कैच से पलट जाता है। ऐसे में कप्तान और फील्डिंग कोच के लिए यह सबसे अहम समय है कि टीम को फील्डिंग में अनुशासन और भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए तैयार किया जाए। अगर भारत को एशिया कप जीतना है, तो बल्ला और गेंद के साथ-साथ फील्डिंग में भी बेस्ट देना होगा।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

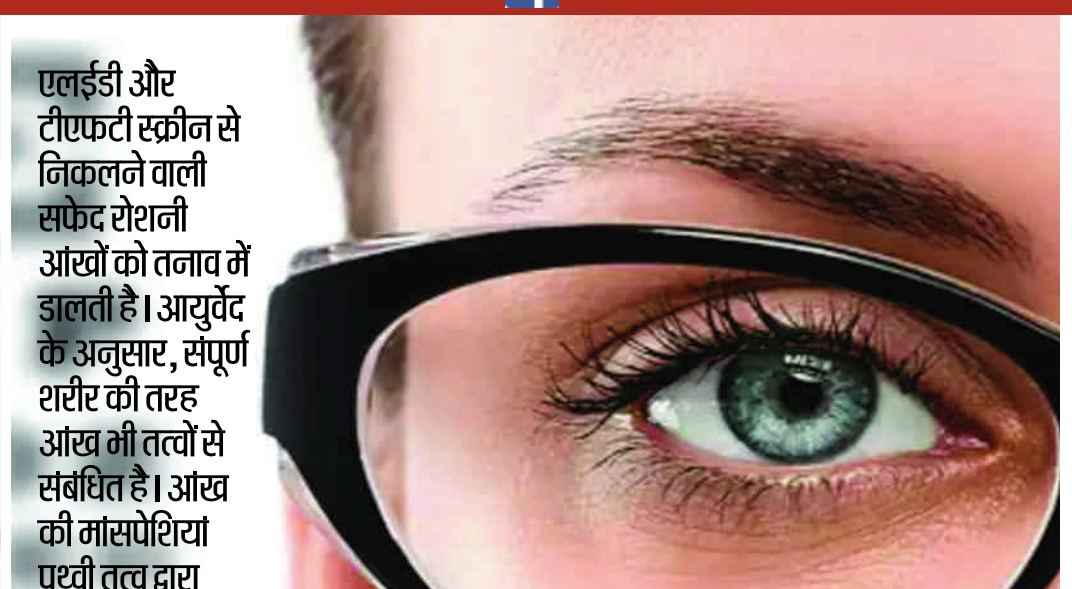

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छींटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छींटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छींटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छींटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ठ के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब डॉ हेडगेवार को बिना जानकारी दिए पहला 'सरसंघचालक' घोषित कर दिया गया

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का प्रमुख 'सरसंघचालक' का होता है। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ही इसके पहले सरसंघचालक बने। उनके बाद क्रमशः गुरु गोलवलकर, मधुकर दत्तात्रेय देवरस, रज्जू भैया, प्रो. सुदर्शन और वर्तमान में मोहन भागवत सरसंघचालक हैं। हालांकि कुछ समय के लिए लक्ष्मण वासुदेव परांजये को भी ये जिम्मेदारी मिली थी।

आमतौर पर संघ में दूसरा बड़ा पद सरकार्यवाह (महासचिव) का होता है और इसपर नियुक्ति के लिए हर तीन साल बाद बाकायदा चुनाव किया जाता है। वर्तमान में दत्तात्रेय होसबाले इस पद पर हैं। लेकिन सरसंघचालक को लेकर संघ में ये परपंरा रही है कि वरिष्ठ अधिकारियों की सलाह आदि को ध्यान में रखते हुए, सरसंघचालक ही अपने उत्तराधिकारी को चुनते आए हैं। संघ के पहले सरसंघचालक का चुनाव जब हुआ तब ना उनसे चर्चा की गई, ना उन्हें पहले से बताया गया और ना ही पूछा गया। बल्कि संघ के वरिष्ठ अधिकारियों ने आपस में मंत्रणा करके खुद ही उनके नाम का ऐलान किया था।

संघ की स्थापना 1925 में ही विजयदशमी के दिन हो गई थी। लेकिन अगले चार साल तक सरसंघचालक जैसा कोई पद अस्तित्व में नहीं आया था। डॉ हेडगेवार की जीवनी लिखने वाले नाना पालकर ने इस बारे में लिखा है कि अक्टूबर 1929 के महीने में संघ में बड़ी सभा की तैयारी, नागपुर में करवाने की चर्चा चल रही थी। फिर डॉ. हेडगेवार को लगा कि निष्ठावान, संकल्पित कार्यकर्ताओं की बैठक ज्यादा जरूरी है। इसके बाद उन्होंने 19 अक्तूबर 1929 को सभी प्रदेशों के संघचालकों को पत्र भेजकर उनसे 9, 10 नवंबर को बैठक के लिए नागपुर आने का अनुरोध किया। जब सारे प्रचारक, संघ चालक और वरिष्ठ अधिकारी, स्वयंसेवक पहले दिन एक जगह इकट्ठा हुए तब उन्हें महसूस हुआ कि एक प्रशासनिक व्यवस्था होनी चाहिए है, और उसकी अगुवाई के लिए मुखिया की भी जरुरत है। दिलचस्प ये था कि इन चर्चाओं से डॉ. हेडगेवार को दूर रखा गया। विश्वनाथ राव केलकर, बालाजी हुद्दार, अप्पाजी जोशी, कृष्णाराव मोहरिर, तात्याजी कालिकर, बापूराव मुथाल, बाबा साहेब कोल्टे और मार्तंड राव जोग आदि संघ के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस चर्चा में भाग लिया। अगले दिन इन सभी के साथ नागपुर के स्वयंसेवकों का एक संयुक्त कार्यक्रम हुआ, इसके लिए जगह चुनी गई मोहिते का बाड़ा। ये जगह संघ के इतिहास में दूसरी बार शामिल होने जा रही थी क्योंकि डॉ हेडगेवार ने संघ की पहली शाखा भी यहीं शुरू की थी।

जब डॉ हेडगेवार भगवा ध्वज के पास खड़े थे, सभी लोग प्रवेश द्वार के पास खड़े थे, अचानक वर्धा के संघचालक अप्पा जी जोशी ने तेज आवाज में कहा सरसंघचालक प्रणाम एक.. दो.. तीन इस तरह का प्रणाम संघ में आमतौर पर भगवा ध्वज को किया जाता है, इस स्वयंसेवक अपना गुरु मानते हैं। एक कहते ही सबने अपने सीने पर दाहिने हाथ को इस तरह से रखा कि

केवल अंगूठा सीने लगा हो और हथेलियां जमीन की तरफ हों। दो कहते ही सर झुक गए और तीन कहते ही सामान्य स्थिति में आ गए। डॉ. हेडगेवार अवाक खड़े थे। इधर अप्पाजी जोशी ने कल हुई बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी सभी को दी कि कैसे संघ की प्रशासनिक व्यवस्था खड़ी की जा रही है, जिसके शीर्ष पर सरसंघचालक होगा, पहले सरसंघचालक के तौर पर डॉ. हेडगेवार को चुना गया है।

उसके बाद केलकर ने संबोधन किया। हालांकि उस वक्त डॉ हेडगेवार चुप रहे, लेकिन बाद में उन्होंने अप्पाजी जोशी को अपनी नाराजगी जाहिर की। खासतौर पर जिस तरह से उनके सम्मान में 'सरसंघचालक प्रणाम' आयोजित किया गया। लेकिन अप्पाजी ने इसकी जरूरत उन्हें बताकर संगठन को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक औपचारिक मुखिया की आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अगर आपको पहले बताते आप राजी ही नहीं होते।

रामलीला उत्सव पर हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

पूछा- ये आयोजन 100 सालों से यहां हो रहा, अब क्यों टूटी नींद?

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें फिरोजाबाद जिले के टुंडला में एक स्कूल मैदान पर चल रहे रामलीला उत्सव पर हाईकोर्ट ने रोक लगाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने रामलीला उत्सव की अनुमति देते हुए कहा कि इससे छात्रों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए।

तीन जजों वाली पीठ की अध्यक्षता कर रहे जस्टिस सूर्यकांत ने इस मामले पर जनहित याचिका दायर करने वाले मूल याचिकाकर्ता से पूछा कि यह उत्सव तो पिछले 100 सालों से होता आ रहा है। फिर अब आपने आखिरी समय में कोर्ट का रुख क्यों किया? इस पर मूल याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि रामलीला के मंचन से स्कूल में पठन-पाठन प्रभावित हो रहा है। इस पर जस्टिस कांत ने फिर पूछा लेकिन आप ना तो छात्र हैं, न ही छात्र के अभिभावक और न ही संपत्ति के मालिक हैं... फिर आपने जनहित याचिका क्यों डाली? इसके जवाब में याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अगर सभी धार्मिक त्योहार स्कूल के खेल के मैदान में ही मनाए जाएंगे तो वहां बच्चे खेल भी नहीं सकते...सीमेंट की ईंटें बिछाई जा रही हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि छात्र या अभिभावकों की शिकायतें कहां है? और पहले से ही वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गईं? जस्टिस सूर्यकांत देश के भावी सीजेआई हैं क्योंकि इस साल के अंत तक मौजूदा सीजेआई जस्टिस गवई के रिटायर होने के बाद पद संभालेंगे।

इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस जनहित याचिका पर विचार करते हुए पाया था कि स्कूल के खेल के मैदान में सीमेंट की इंटरलॉकिंग टाइलें बिछाई जा रही हैं ताकि उसे रामलीला जैसे आयोजनों के लिए स्थायी स्थल बनाया जा सके। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि स्कूल के मुख्य द्वार का नाम बदलकर सीता राम द्वार कर दिया गया है और झूले लगा दिए गए हैं, जिससे पढ़ाई प्रभावित हो सकती है

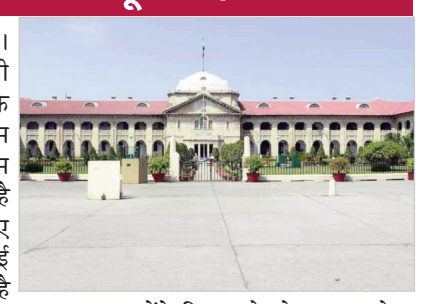

और बच्चों को खेल के मैदान से वंचित होना पड़ सकता है। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ श्रीनगर रामलीला महोत्सव समिति ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भुयान और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने रामलीला आयोजन समिति की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के स्थगन आदेश पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि चूँकि उत्सव शुरू हो चुके हैं, इसलिए हाईकोर्ट के आदेश के रोक लगाई जाती है। वहां इस शर्त के साथ उत्सव जारी रहेंगे कि बच्चे खेलना या खेल गतिविधियां जारी रखेंगे। हम हाई कोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह याचिकाकर्ता और अन्य सभी हितधारकों की बात सुनें।

राज्य के अधिकारियों ने बचाव करते हुए तर्क दिया था कि पिछले 100 सालों से वहां रामलीला का आयोजन होता आ रहा है और यह प्रतिदिन शाम सात से 10 बजे तक ही होता है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि टाइलें जलभराव की समस्या से निपटने के लिए बिछाई गई थीं। उच्च न्यायालय ने इन तर्कों पर असहमति जताते हुए आयोजन के लिए स्कूल के मैदान के उपयोग पर रोक लगा दी थी।

कब्रिस्तान में महिलाओं की कब्रों को खोदकर शवों के साथ छेड़छाड़ आरोपी अयूब खान गिरफ्तार

खंडवा

मध्यप्रदेश के खंडवा में एक अत्यंत चौंकाने वाला और घिनौना मामला सामने आया है, जहाँ एक व्यक्ति को कब्रिस्तान में महिलाओं की कब्रों को खोदकर शवों के साथ छेड़छाड़ करते हुए पकड़ा गया है। यह भयावह घटना तब सामने आई, जब कुछ लोग खंडवा के बड़े कब्रिस्तान में अपने मृत परिजनों की कब्र पर दुआ-फातिहा करने पहुंचे। उन्होंने देखा कि कुछ कब्रें खुदी हुई थीं और उनके साथ छेड़छाड़ की गई थी। इस घिनौनी हरकत से आहत होकर उन्होंने तुरंत पुलिस और कब्रिस्तान प्रबंधन को सूचना दी।

इसके बाद कब्रिस्तान में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। जब पुलिस ने फुटेज खंगाले, तब एक चौंकाने वाला सच सामने आया। फुटेज में एक व्यक्ति रात के अंधेरे में कब्रों के पास संदिग्ध हरकतें करता दिखा। वह नग्न अवस्था में था और उसने एक कैमरे को कपड़े से ढकने की कोशिश भी की, लेकिन वह दूसरे कैमरे में कैद हो गया। इस फुटेज के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे व्यक्ति की पहचान अय्यूब खान (50) के रूप में हुई। वह मुंदवाड़ा गाँव का रहने वाला है और उसका एक लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने अयूब खान को हरसूद के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में अय्यूब ने अपना अपराध कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने न केवल इस बार, बल्कि मई 2025 में भी खंडवा और सिहाड़ा के कब्रिस्तानों में महिलाओं की कब्रें खोदी थीं। उसने दावा किया कि जेल में एक व्यक्ति ने तांत्रिक क्रिया करने के लिए उकसाया था, जिसके कारण उसने यह घिनौनी हरकत की।

अय्यूब खान का आपराधिक रिकॉर्ड बेहद खतरनाक है।

उसके खिलाफ एक दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं, जिसमें चोरी और हत्या जैसे अपराध शामिल हैं।

उसने अपनी दो पत्नियों की हत्या भी की थी। वह हाल ही में अपनी एक पत्नी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काटकर 15 मई 2025 को ही जेल से रिहा हुआ था। हैरानी की बात है कि जेल से बाहर आने के चार दिन बाद ही उसने यह हैवानियत शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि इस जघन्य अपराध के लिए आरोपी के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का केस दर्ज किया गया है और उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

सीडीएस चौहान का बढ़ाया गया कार्यकाल, अब 30 मई 2026 तक पद पर

नई दिल्ली

मोदी सरकार ने सीडीएस जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल बढ़ा दिया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक जनरल चौहान की सेवा अवधि को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और मिलिट्री अफेयर्स विभाग (डीएमए) के सचिव के रूप में 30 मई 2026 तक या फिर अगला आदेश आने तक (जो भी पहले हो) बढ़ा दिया है। जनरल चौहान 1981 में भारतीय सेना में कमीशन हुए थे। रिटायर होने के बाद वह नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट में मिलिट्री सलाहकार बने। देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत की दिसंबर 2021 में हादसे में मौत हुई थी। जिसके बाद सीडीएस बनने के लिए कौन योग्य होगा, इस नियम में मोदी सरकार ने बदलाव किए जिससे लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अधिकारी और लेफ्टिनेंट जनरल रैंक से रिटायर्ड ऑफिसर सीडीएस की दौड़ में आए। चौहान भी लेफ्टिनेंट जनरल पद से ही रिटायर हुए थे। मोदी सरकार ने उन्हें सीडीएस बनाया और अब उन्हें एक्सटेंशन दिया है। उन्होंने 30 सितंबर 2022 को सीडीएस का पद संभाला था। सीडीएस के तौर पर उनका पहला टास्क थिएटर कमांड बनाना था। हालांकि अभी तक थिएटर कमांड बन नहीं सकी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से इसकी चर्चाएं भी तेज हैं कि थिएटर कमांड की जरूरत है भी या नहीं। एयरफोर्स चीफ एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि फिलहाल हमें निचले स्तर पर किसी नए ढांचे (थिएटर कमांड) की जरूरत नहीं है। इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड पर हो रहा

काम

अभी इंडियन आर्मी की 7, एयरफोर्स की 7 और नेवी की 3 कमांड हैं। इन्हें मिलाकर इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड बनाने पर विचार हो रहा है। थिएटर कमांड बनाने की प्रक्रिया जनवरी 2020 में पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की नियुक्ति के साथ शुरू हुई थी। इस पर कई दौर की चर्चाएं हुईं और कुछ प्रगति भी हुई है। फिर 30 सितंबर 2022 को जनरल अनिल चौहान ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) का पद संभाला और थिएटर कमांड के नए प्रस्ताव पर बात होने लगी।

नीट में 99।99 परसेंटेज लाने वाले युवक ने लगाई फांसी

चंद्रपुर महाराष्ट्र के चंद्रपुर के अनिल बोरकर उम्र 19 वर्ष ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। नीट की परीक्षा में इस युवक को 99।99 परसेंटाइल की सफलता मिली थी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स में दाखिला लेना था। ऑल इंडिया रैंक में इसका रेंक 1475 वां स्थान था।यह युवक डॉक्टर नहीं बनना चाहता था। परिवार के लोग इसके ऊपर दबाव डालकर इसे डॉक्टर बनाना चाहते थे। युवक ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है, मुझे एमबीबीएस नहीं करना है। जितना एक डॉक्टर कमाता है।उससे ज्यादा एक बिजनेसमैन कमा सकता है। 5 साल एमबीबीएस की पढ़ाई और उसके बाद एमडी/एमएस की पढ़ाई मुझे नहीं करनी है।यह सुसाइड नोट लिखकर उसने आत्महत्या कर ली।

दोपहिया वाहन और बस की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार की जलकर मौत

नई दिल्ली मेघालय के री-भोई जिले में एक बाइक सामने से आ रही बस से टकरा गई और उसमें आग लग गई जिससे बाइक चालक की जलकर मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना बुधवार रात करीब 10.20 बजे नोंगपोह इलाके में हुई, जब बाइक 50 से अधिक यात्रियों से भरी बस से टकरा गई। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल में आग लग गई। उन्होंने कहा, गलत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल गुवाहाटी-शिलांग मार्ग पर रात्रि सेवा वाली बस से टकरा गई। आग में दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गया, बस में भी आग लग गई। अधिकारी ने बताया कि नोंगपोह से अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा दल घटनास्थल पर पहुंचा और आग बुझाई। उन्होंने बताया, मोटरसाइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई और उसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।

बदमाशों ने एएसपी से मोबाइल छीनकर रेलवे ट्रैक दिया धक्का, आईसीयू में भर्ती

पटना

पटना में फुलवारीशरीफ रेलवे स्टेशन पर मोबाइल झपटकर बीएमपी-16 के अपर एएसपी प्रेमचंद्र सिंह को रेलवे ट्रैक पर धक्का दे दिया। संयोग था कि उस वक्त कोई ट्रेन नहीं आ रही थी। उनकी जान बच गई। हालांकि रेलवे ट्रैक पर गिरने से वह बुरी तरह घायल होकर बेहोश हो गए। बेहोशी की हालत में लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां आईसीयू में उनका इलाज जारी है। स्थिति में सुधारने के बाद प्रेमचंद्र सिंह ने पटना जीआरपी में इसकी एफआईआर दर्ज कराई है। जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक मूलरूप से कैमूर के रामगढ़ निवासी प्रेमचंद्र सिंह परिवार के साथ रूपसपुर स्थित एक अपार्टमेंट में रहते हैं। वह बीएमपी-16 के एएसपी पद पर तैनात हैं। प्रेमचंद्र रोज की तरह 20 सितंबर की रात फुलवारीशरीफ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2-3 पर मौजूद थे। इसी दौरान रात करीब 9ः30 बजे पीछे से कुछ बदमाश आए। उनका मोबाइल झपटकर उनको रेलवे लाइन पर धक्का दे दिया। बाद में बदमाश भाग गए।

ट्रैक पर गंभीर चोट लगने के कारण प्रेमचंद्र बेहोश हो गए थे। इस घटना में एएसपी का दाहिने बांह की हड्डी टूट गई है। शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक होश आने पर दो दिन बाद 22 सितंबर को उन्होंने जीआरपी में बयान दर्ज कराया।

पीड़ित प्रेमचंद्र ने आशंका जाहिर की है कि उन्हें जान से मारने की नीयत से घटना को अंजाम दिया गया।

ओवैसी का तंज बोले- हरियाणा का व्यक्ति बिहार से सांसद बन सकता है मैं यहां आया तो पेट दुखा

किशनगंज

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने बगैर नाम लिए कहा कि हरियाणा के संजय यादव बिहार से राज्यसभा सांसद बन सकते हैं इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं है और मैं यहां मतलब बिहार आया तो सभी का पेट दुखने लगा। बता दें कि राज्यसभा सांसद संजय यादव को लेकर लालू यादव के परिवार में घमासान मचा है। तेजप्रताप और रोहिणी आचार्या ने मोर्चा खोल रखा है। अब एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी राष्ट्रीय जनता दल(राजद) नेता तेजस्वी यादव पर तीखा वार किया है।

सीमांचल न्याय यात्रा पर किशनगंज पहुंचे असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मैं हैदराबाद से आया तो सवाल पूछते हैं। हां, मैं हैदराबाद से आया, कोई चांद से नहीं आया। इसमें कोई बुरी बात नहीं है। जो यह कह रहे हैं वे जरा बताएं कि हरियाणा से आकर राज्यसभा का एमपी बन गया वह क्या बिहार का वासी है? ओवैसी ने कहा कि ऊपर वाला जबतक जिंदा रखेगा तबतक बिहार और सीमांचल आते रहेंगे। दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। सिर्फ मौत ही रोक सकती है। अगर मेरे आने से उनकी नींद उड़ गई है और चैन बर्बाद गया है तो मेरा आन कामयाब हो गया। मुझपर सवाल उठाने वाले आवाम को धोखा दे रहे हैं।

ओवैसी ने कहा कि एआईएमआईएम इस बिहार विधानसभा चुनाव को बहुत मजबूती से लड़ेगी। इस चुनाव में बीजेपी को सत्ता में आने से रोकने के लिए एआईएमआईएम महागठबंधन में शामिल होने का प्रस्ताव रख चुकी है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता देख रही है कि भाजपा की बी टीम कौन है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को पत्र लिखा, मीडिया के जरिए पैगाम भेजा कि हम गठबंधन में शामिल होना चाहते हैं और सिर्फ 6 सीट की मांग की गई लेकिन कोई

जवाब नहीं दिया गया है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा की हमने अपना फर्ज निभाया है और बिहार की जनता देख रही है कि कौन भाजपा को कामयाब करना चाहता है। ओवैसी ने कहा कि सीमांचल को हक दिलाना मेरी प्राथमिकता में शुमार है। उन्होंने दावा किया कि मजलिस की देन है कि आज पार्लियामेंट हो या बिहार विधानसभा दोनों ही जगह सीमांचल का नाम लिया जा रहा है। एआईएमआईएम से राजद में शामिल हुए चारों विधायक को गद्दार कहते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि एआईएमआईएम की वजह से विधायक बने और चारों ने पीठ में छुरा घोंप कर सीमांचल की आवाम के साथ धोखा किया। उनके साथ हैदराबाद के माजिद हुसैन एवं महाराष्ट्र के वारिश पठान मौजूद थे।

अभिनेता कल्याण की फिल्म के शो के टिकटों की कीमत बढ़ाने पर कोर्ट ने लगाई रोक

हैदराबाद तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी कर तेलुगु अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की फिल्म ओजी के शो के लिए राज्य सरकार द्वारा टिकटों की कीमतों में की गई बढ़ोतरी पर रोक लगा दी है। सरकार के आदेश के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करते हुए, कोर्ट ने हैदराबाद पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि फिल्म को ए प्रमाणपत्र मिला है, इसलिए 18 साल से कम उम्र के बच्चों को फिल्म देखने की इजाजत नहीं दी जाए। राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में बुधवार को रात 9 बजे के एक विशेष शो की अनुमति दी गई थी, जिसकी टिकट दर 4 अक्टूबर तक 800 रुपए जीएसटी समेत तय की गई थी। याचिकाकर्ता ने गृह विभाग द्वारा 19 सितंबर को जारी किए गए सरकारी आदेश को मनमाना और अवैध घोषित करने और उसे रद्द करने की मांग की थी। याचिका में भविष्य में गृह विभाग द्वारा संविधान के अधिदेश का उल्लंघन करने वाले ऐसे किसी भी आदेश को जारी करने पर रोक लगाने और संविधान को बरकरार रखने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया था।

चागोस द्वीप पर इतना मेहरबान क्यों हो रहा भारत

नई दिल्ली

ब्रिटेन की ओर से मॉरीशस को सौंपे गए चागोस द्वीप को लेकर बड़ा अपडेट आया है। इस द्वीप समूह पर अपनी संप्रभुता स्थापित करने के लिए भारत की ओर से लगातार मॉरीशस को मदद दी जा रही। ये कदम बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे हिंद महासागर में भारत की भूमिका और भी अहम हो गई है। भारत का ये दांव हिंद महासागर में उसकी ताकत को दिखाता है। साथ ही, यह क्षेत्र में बड़ी शक्तियों के बीच बढ़ते मुकाबले के बीच भारत को एक सुरक्षा प्रदाता के रूप में स्थापित करता है। मॉरीशस के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) का सर्वेक्षण करने में भी भारत मदद करेगा।

हाल ही में, मॉरीशस के प्रधानमंत्री भारत दौरे पर आए थे। तब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस को चागोस द्वीप समूह के सर्वेक्षण में मदद करने की बात कही थी। चागोस द्वीप अब मॉरीशस का हिस्सा है। इसलिए मॉरीशस का एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन यानी विशेष आर्थिक क्षेत्र भी बढ़ गया है। ईईजेड का मतलब होता है, समुद्र का वह क्षेत्र जहां किसी देश को मछली पकड़ने, तेल निकालने जैसे काम करने का विशेष अधिकार होता है।

चागोस द्वीप समूह के मिलने से मॉरीशस का समुद्री क्षेत्र बढ़ गया है। अब मॉरीशस को 2.3 मिलियन वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र पर निगरानी रखनी होगी। मॉरीशस के पास अभी कम संख्या में गश्त करने वाले जहाज हैं। इसकारण भारत लगातार मॉरीशस की मदद कर रहा है। वहीं भारत-मॉरीशस के बीच एक और समझौता हुआ है।

मॉरीशस में जल्द ही भारत एक सैटेलाइट ट्रैकिंग स्टेशन तैयार करेगा। यह स्टेशन सैटेलाइट से डेटा प्राप्त करने में मदद करेगा। यह भारत के लिए भी एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति होगी। मॉरीशस चागोस द्वीप पर अपना झंडा फहराना चाहता है।

जयशंकर ने ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने के साथ ही वैश्विक चुनौतियों के समाधान की रखी रणनीति

नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ग्लोबल साउथ देशों को अपनी क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने और उभरती वैश्विक चुनौतियों का समाधान सामूहिक रूप से खोजने की रणनीति पेश की। जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ देशों को राजनीति, कूटनीति, विकास और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में मिलकर आगे बढ़ना चाहिए। बैठक में 18 देशों ने हिस्सा लिया, इसमें सिंगापुर, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, क्यूबा, चाड, जमैका, वियतनाम, मॉरीशस और मोरक्को जैसे देश शामिल थे। भारत की यह पहल 'ग्लोबल साउथ की आवाज' को मजबूत करने की उसकी रणनीति का हिस्सा है।

मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा कि ग्लोबल साउथ की असली ताकत उसकी एकता और सामूहिक कार्रवाई में है। उन्होंने समावेशी और टिकाऊ विकास पथ को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी की प्रतिबद्धता जताई। जयशंकर ने सुझाव दिया कि ये देश एक-दूसरे की उपलब्धियों और अनुभवों से लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने वैक्सीन उत्पादन, डिजिटल क्षमताओं, शिक्षा, कृषि पद्धतियों और लघु एवं मध्यम उद्योगों जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं गिनाईं। भविष्य की दिशा बताते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इन देशों को उभरती प्रौद्योगिकियों, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अवसरों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षीय मंचों में सुधार के लिए मिलकर प्रयास करने का भी आह्वान किया। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा मंचों का उपयोग कर देशों के बीच एकजुटता बनाई जा सकती है।

दो फरार पुलिसकर्मियों को सीबीआई ने रखा दो-दो लाख का इनाम, हिरासत में मौत का मामला

भोपाल सीबीआई ने मध्यप्रदेश के दो फरार पुलिसकर्मियों संजीत सिंह मावई और उत्तम सिंह कुशवाहा पर दो-दो लाख रुपए के इनाम का ऐलान किया है। यह मामला गुना जिले के म्याना थाना क्षेत्र में देव पारधी की हिरासत में मौत से जुड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि मावई घटना के समय नगर निरीक्षक और कुशवाहा सहायक उप निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे। दोनों को देव पारधी की हिरासत में हुई संदिग्ध मौत के मामले में आरोपी बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक पारधी को चोरी के आरोप में हिरासत में लिया गया था। सीबीआई पहले ही इस मामले में उप निरीक्षक देवराज सिंह परिहार, नगर निरीक्षक जुबैर खान और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है और उनके खिलाफ आरोप-पत्र दायर कर चुकी है लेकिन मावई और कुशवाहा अभी भी फरार हैं। सीबीआई की प्रवक्ता ने कहा कि इन दोनों आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जा चुका हैं और इन्हें भगोड़ा अपराधी घोषित किया जा चुका है। देव पारधी को चोरी के आरोप में उसके चाचा गंगाराम के साथ हिरासत में लिया गया था। पारधी की मां का आरोप है कि उसके बेटे को पुलिस ने प्रताड़ित कर मार डाला, जबकि पुलिस का दावा है कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाला अमेरिकी नागरिक दोषी करार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने 59 वर्षीय रयान राउथ को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश का दोषी करार दिया। सितंबर 2024 में फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में हुई घटना में वह राइफल लेकर झाड़ियों में छिपा मिला था। अभियोजन पक्ष ने बताया कि राउथ ने करीब 10 घंटे तक इंतजार किया और ट्रंप पर निशाना साधा, लेकिन एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने उसे गोली चलाते हुए देख लिया था। राउथ बिना गोली चलाए भाग गया, लेकिन कुछ घंटों बाद हाईवे पर गिरफ्तार हो गया। मौके से एसकेएस राइफल, बुलेटप्रूफ प्लेटें और कैमरा बरामद हुआ। राउथ पर हत्या की कोशिश, संघीय एजेंट को बाधा पहुंचाने और हथियार रखने सहित पांच आरोपों में दोष साबित हुआ। उसे आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस को संसद में बड़ी राहत, सरकारी वकील बोले- जांच जारी रहेगी

सैन जोस, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस को बड़ी राहत मिली है। संसद में उनकी प्रतिरक्षा समाप्त करने के प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। मंगलवार को उनके विरोधी खेमे को इस प्रयास में असफलता हाथ लगी। विपक्ष को 38 वोटों की जरूरत थी, लेकिन केवल 34 वोट मिले। 21 ने प्रस्ताव का विरोध किया और दो अनुपस्थित रहे। यह देश के इतिहास में पहली बार था कि किसी वर्तमान राष्ट्रपति के खिलाफ ऐसे प्रस्ताव पर मतदान हुआ। चावेस पर आरोप है कि उन्होंने एक वीडियो निर्माता पर दबाव डाला कि वह अनुबंध की राशि का हिस्सा उनके पूर्व अभियान सलाहकार को दे। अटॉर्नी जनरल कार्लो डियाज़ ने कहा कि जांच जारी रहेगी और चावेस की प्रतिरक्षा उनके कार्यकाल (मई तक) समाप्त होने के बाद हट सकती है।

न्यूयॉर्क के जाम में फंसने पर मैक्रों ने ट्रंप को किया फोन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्चस्तरीय सत्र के दौरान न्यूयॉर्क सिटी की सड़कों पर लगे जाम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों फंस गए। पुलिस ने उनके दल को रोक दिया, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के काफिले के लिए सड़कें बंद थीं। मैक्रों से एक पुलिस अधिकारी ने कहा, मिस्टर प्रेसिडेंट माफ कीजिए। अभी सब कुछ बंद है। ट्रंप का काफिला गुजर रहा है, जिससे ऐसा हुआ है। इसके बाद मैक्रों ने तुरंत ट्रंप को फोन किया और कहा, आप कैसे हैं? आप जानते हैं, मैं सड़क पर फंस गया हूं, क्योंकि आपके लिए सब बंद है। जब ये बातचीत हो रही थी, तब तक ट्रंप का काफिला जा चुका था। हालांकि मैक्रों कार में फिर नहीं बैठे। वह करीब आधे घंटे तक टहलते रहे और ट्रंप से फोन पर बात करते रहे।

श्रीलंका के पूर्व आव्रजन प्रमुख को अवमानना के आरोप में 2 साल कैद

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व आव्रजन प्रमुख हर्ष इलुकपिटिया को अवमानना के आरोप में सुप्रीम कोर्ट ने दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इलुकपिटिया पर पर्यटक वीजा प्रक्रिया संबंधी निर्देश की अवहेलना करने का आरोप है। इस मामले में वह पिछले साल 25 सितंबर से हिरासत में थे। तीन जजों की पीठ ने मंगलवार को इलुकपिटिया को आउटसोर्स इलेक्ट्रॉनिक पर्यटक वीजा-ऑन-अराइवल प्रणाली को रोकने और पुरानी व्यवस्था पर लौटने, अदालत के जुलाई 2024 के आदेश को लागू करने में विफल रहने का दोषी ठहराया।

भ्रष्टाचार के मामले में चीन के शीर्ष वैज्ञानिक हिरासत में

बीजिंग, एजेंसी। चीन में भ्रष्टाचार के एक मामले में शीर्ष वैज्ञानिक यू फैक्सिन को हिरासत में लिया गया है। यू सैन्य उपकरणों के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने में विशेषज्ञता रखते हैं। वह हांग्जो स्थित झेजियांग विवि के एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स स्कूल में प्रोफेसर भी हैं। यू की कंपनी झेजियांग ग्रेट माइक्रोवेव टेक्नोलॉजी ने एक बयान में कहा, उसे रविवार को पता चला कि उन्हें हुआंगशी के पर्यवेक्षी आयोग ने हिरासत में लिया है। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि उन पर क्या आरोप हैं।

गलत आरोप झेलने वाले दो अश्वेतों को 1.50 लाख डॉलर

बोस्टन , एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन में साल 1989 में एक हाई-प्रोफाइल हत्या हुई थी। इस मामले में गलत तरीके से आरोपी बनाए गए दो अश्वेत पुरुषों, एलन स्वानसन और विली बेनेट को शहर से 1.5 लाख डॉलर का मुआवजा मिला है। कैरोल स्टुअर्ट की हत्या उसके पति चार्ल्स स्टुअर्ट ने की थी, लेकिन उसने झूठा आरोप एक अश्वेत हमलावर पर लगाया।

तुर्किये के राष्ट्रपति ने यूएन में फिर कश्मीर मुद्दा उठाया

कहा- भारत-पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की मदद लें, 2019 से 6 बार जिक्र कर चुके

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में एक बार फिर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत के जरिए कश्मीर मुद्दे को हल करने की वकालत की। एर्दोगन ने कहा, हमें खुशी है कि अप्रैल में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद सीजफायर हुआ। कश्मीर के हमारे भाइयों और बहनों के लिए, इस मुद्दे को यूएन सुरक्षा परिषद की मदद से सुलझाना चाहिए। भारत पहले भी ऐसी टिप्पणियों को खारिज कर चुका है। भारत का कहना है कि, जम्मू-कश्मीर हमारा आंतरिक मामला है। एर्दोगन 2019 से हर साल (2024 छोड़कर) यूएन में कश्मीर का जिक्र करते रहे हैं, जिसमें वे पाकिस्तान के तरफ अपना समर्थन दिखाते हैं।

तुर्किये ने भारत-पाक संघर्ष के दौरान पाकिस्तान का साथ दिया : एर्दोगन ने भारत-पाक संघर्ष के बाद 17 मई,2025 को कश्मीर मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की थी। उन्होंने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। एर्दोगन ने कहा था कि वो कश्मीर मुद्दा सुलझाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे। उन्होंने भारत के खिलाफ इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान को ड्रोन्स-हथियार और इन्हें चलाने वाले ट्रेंड लोग भी भेजे। एर्दोगान ने कहा था ने कि अगर दोनों देश तैयार हो तो वो कश्मीर मामले में रोल निभाएंगे। हम शांति चाहते हैं, हम दो पड़ोसियों के बीच कोई तनाव नहीं चाहते। वही, इस्तांबुल में 24 मई,2025 को शहबाज शरीफ और एर्दोगन से मुलाकात की थी। इस दौरान एर्दोगन ने पाकिस्तान को खुफिया जानकारी, टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट, एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और डिफेंस सेक्टरों में सहयोग देने का बाद कही थी।

भारत बोला था- जम्मू-कश्मीर हमारा अभिन्न अंग : एर्दोगन की टिप्पणी पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। किसी दूसरे देश को इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, किसी देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने के बजाय, यह अच्छा होता कि सीमा पार आतंकवाद को रोकने पर बात करते, जो जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हुई है।

आईआईसी ने भारत से कश्मीरी कैदियों को छोड़ने को कहा : इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के जम्मू-कश्मीर संपर्क समूह की बैठक 23 सितंबर को महासभा के दौरान हुई। बैठक में अजरबैजान, पाकिस्तान, तुर्किये, सऊदी अरब और नाइजर के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। ओआईसी महासचिव हिसेन ब्राहिम ताहा ने इसकी अध्यक्षता की। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के विशेष सहायक सैयद तारिक फातमी ने भारतीय हिस्से वाले जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर जानकारी दी। समूह ने भारत-पाक के बीच सीजफायर को अच्छा कदम बताया। साथ ही, जोर दिया कि कश्मीर मुद्दे का हल करने से ही स्थायी शांति संभव है। इसके अलावा प्रमुख कश्मीरी नेता शब्बीर अहमद शाह को लगातार हिरासत में रखने और जमानत न देने पर चिंता जताई। समूह ने ओआईसी के मानवाधिकार आयोग से आजाद जम्मू-कश्मीर और कंट्रोल लाइन पर जांच करवाने की मांग की ताकि वहां की स्थिति की सटीक जानकारी मिल सके। वहीं, समूह ने भारत से आईओजेके में लोगों की स्थिति में सुधार करने, सभी कश्मीरी राजनीतिक कैदियों को रिहा करने, गैरकानूनी कश्मीरी राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध हटाने, सभी कठोर कानूनों को हटाने और जम्मू-कश्मीर पर यूएन सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने की मांग की।

गाजा में इजराइली हमलों की निंदा की : कश्मीर के अलावा एर्दोगन ने अपने भाषण में इजराइल के गाजा में हमले की निंदा की। उन्होंने इसे जीवन का खात्मा करने वाला बताया। एर्दोगन ने कहा, हम यहां बैठकर बात कर रहे हैं, वहां, गाजा में एक नरसंहार जारी है। गाजा में 23 महीनों से हर घंटे एक बच्चे की मौत हो रही है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं, मासूम जिंदगियां हैं।

फिलिस्तीन को मान्यता देने की मांग की : एर्दोगन ने दुनिया से फिलिस्तीन के समर्थन में खड़े होने और इंसानियत के नाम पर उसे मान्यता देने की मांग की। उन्होंने उन देशों को शुक्रिया कहा, जिन्होंने फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी है।

ट्रंप से बात के बाद बोलीं उर्सुला- चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटेगा, सदस्यों को मानना ही होगा

न्यूयार्क, एजेंसी। 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को संबोधित करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ भी बातचीत की। इस वार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी उस बात को फिर दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र कभी अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर सका। उन्होंने कहा, मैंने सात युद्ध रोके और संयुक्त राष्ट्र ने मेरी कोई मदद नहीं की। मुझे कभी फोन तक नहीं किया गया... किसी दिन यूएन वही करेगा जो मैं कर रहा हूं।

संयुक्त राष्ट्र ने हमारी मदद नहीं की : उन्होंने कहा, अगर संयुक्त राष्ट्र वाकई अपना काम कर रहा है, तो हमें कोई युद्ध नहीं करना चाहिए... आपके पास एक बेहतरीन अवधारणा हो सकती है, लेकिन अगर आपके पास सही लोग नहीं हैं तो निर्णय नहीं होते। हमने इन सभी युद्धों को (समाधान किया) है। संयुक्त राष्ट्र ने हमारी मदद नहीं की... उन्होंने कुछ नहीं किया, जबकि इन समस्याओं का समाधान उन्हें (यूएन) को करना चाहिए। चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटाने का फैसला, ईयू सदस्यों को प्रतिबंधों पर सहमत होना होगा रूस पर सख्त कार्रवाई और टैरिफ के मुद्दे पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप बिल्कुल ठीक कह रहे हैं... हमने रूस से गैस की आपूर्ति में पहले ही भारी कटौती कर दी है... हम यूरोपीय संघ को आने वाली तेल आपूर्ति पर टैरिफ लगाना चाहते हैं... हम इससे पहले ही बाहर निकलना चाहते हैं। साल के अंत तक, हमने चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटाने का फैसला कर लिया है। अब हमारे पास प्रतिबंधों का प्रस्ताव है। सदस्य देशों को इस पर सहमत होना होगा।

कोलंबिया में सोने की खान में फंसे 20 से अधिक श्रमिक : बोगोटा , एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के उत्तरी भाग में एक सोने की खान धंसने के बाद 20 से अधिक श्रमिक फंस गए हैं। कनाडा की खनन कंपनी के अनुसार, मुख्य शाफ्ट ढहने के बाद में कंपनी के पांच कर्मचारी फंस गए। बचावकर्मी फंसे खनिकों तक भोजन और पानी पहुंचा रहे हैं और उन्हें बुधवार तक सतह पर लाने की उम्मीद है। राष्ट्रीय खनन एजेंसी के अनुसार, सेगोविया नगर में 25 लोग फंसे हैं।

इटली की पीएम मेलोनी बोलीं- जंग खत्म कराने में भारत अहम भूमिका निभा सकता है

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि भारत दुनिया में चल रहे संघर्षों को सुलझाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांति प्रयासों की सराहना की। मेलोनी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मोदी से वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत की, जिसमें यूक्रेन युद्ध और भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने निवेश, रक्षा, सुरक्षा, शिक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया।

इटली की पीएम ने फिलिस्तीन मुद्दे पर भी रुख साफ किया और कहा कि उनका देश केवल तभी फिलिस्तीन को मान्यता देगा जब हमास सरकार में शामिल न हो और सभी इजराइली बंधक रिहा किए जाएं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दबाव हमास पर होना चाहिए, न कि इज़राइल पर।

ताइवान ने चीनी सैन्य जहाज का पता लगाया : ताइपेई, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार सुबह करीब छह बजे (स्थानीय समय) अपने जल क्षेत्र के आसपास एक चीनी सैन्य जहाज का पता लगाया। आमतौर पर पीएलए के विमान दिखते हैं, लेकिन इस बार कोई भी विमान नहीं दिखा। मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज सुबह छह बजे ताइवान के आसपास पीएलए के नौसेना के एक जहाज का पता चला। ताइवान के सशस्त्र बलों ने स्थिति की निगरानी की और प्रतिक्रिया दी। हवाई मार्ग पर पीएलए का कोई भी विमान सक्रिय नहीं था, इसलिए हवाई मार्ग का कोई नक्शा या चित्र नहीं बन सका।

हॉन्गकॉन्ग पहुंचा साल का सबसे शक्तिशाली तूफान, सुपर टाइफून रागासा से ताइवान में 14 मौतें

हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग में दो दिन से सुपर टाइफून रागासा के चलते भारी बारिश हो रही है। रॉयटर्स के मुताबिक ये साल 2025 का सबसे खतरनाक तूफान है। इसका असर ताईवान और चीन तक देखने को मिल रहा है। ताईवान में तूफान से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं।

हॉन्गकॉन्ग में हवाएं 200 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रहीं हैं, हॉन्गकॉन्ग आब्जरवेटरी ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों में तूफान घनी आबादी वाले शहरों के सबसे करीब होगा। साथ ही समुद्र का स्तर दोपहर तक 4 मीटर तक पहुंच सकता है। वहीं, हॉन्गकॉन्ग के फुलरटन होटल में समुद्र का पानी घुस गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। त्सेंग क्वान और लांताउ द्वीप पर हवाई अड्डे के पास बाढ़ ने समुद्र तटों को तबाह कर दिया। चीन के मौसम ब्यूरो ने रागासा को तूफानों का राजा बताया। रागासा एक फिलिपीनी शब्द है, जिसका मतलब जुनूनी होता है।

हॉन्गकॉन्ग में उड़ानें रद्द, ताइवान में संचार सेवाएं ठप हुई : हॉन्गकॉन्ग एयरपोर्ट पर भी टाइफून का असर दिखा। सुरक्षा कारणों से सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और हजारों यात्री फंसे रहे। शहर की मेट्रो और बस सेवाएं भी बाधित हुईं। कई इलाकों में पानी भरने से दुकानें और घरों को नुकसान पहुंचा है। यहां प्रशासन ने लोगों को घरों से बाहर न निकलने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। ताइवान में स्थिति और भी गंभीर है। यहां भारी बारिश से लैंडस्लाइड और जलभराव की घटनाएं सामने आई। राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। खराब मौसम की वजह से सेना और बचाव दल को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में बिजली और संचार सेवाएं ठप हो गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

चीन ने 7.7 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया : चीन के गुआंगडोंग प्रांत के तट की ओर बढ़ते हुए इसकी सुपर टाइफून तीव्रता बरकरार रहने की उम्मीद है, जहां 125 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं, तथा जहां दोपहर (0400 GMT) से इसके पहुंचने की उम्मीद है।

चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में 7.7 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। ग्वांगझोउ और शेनझेन जैसे बड़े शहरों में स्कूल, परिवहन और हवाई सेवाएं बंद हैं। समुद्र में 2.8 मीटर तक ऊंची लहरों की चेतावनी दी गई है।

जर्मनी ने भारतीय कामगारों को आने का न्योता दिया

बर्लिन, एजेंसी। भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन ने सोशल मीडिया और एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा कि जर्मनी भारतीय प्रतिभाओं के लिए बेहतर और स्थिर विकल्प है। एकरमैन ने बताया कि जर्मनी की इमिग्रेशन पॉलिसी अचानक नहीं बदलती, बल्कि यह भरोसेमंद है। उन्होंने इसकी तुलना जर्मन कार से की, जो भरोसमंद, एडवांस होती हैं। एकरमैन ने कहा कि हम कड़ी मेहनत में यकीन करते हैं और अपनी बेस्ट जॉब, बेस्ट लोगों को देना चाहते हैं। एकरमैन ने यह भी कहा कि भारतीय जर्मनी में सबसे ज्यादा कमाई करने वालों में गिने जाते हैं। उन्होंने बताया कि जहां एक औसत जर्मन कामगार 3,945 यूरो (4.13 लाख रुपए) महीना कमाता है, वहीं भारतीय मूल के पेशेवर औसतन 5,359 यूरो (5.60 लाख रुपए) कमाते हैं। राजदूत ने कहा कि इसका मतलब है भारतीय न सिर्फ मेहनती हैं बल्कि जर्मन समाज और अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान भी देते हैं।

जर्मनी को करीब 3 लाख प्रवासियों की जरूरत : जर्मनी को यह पहल इसलिए भी करनी पड़ रही है क्योंकि वहां की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए 2040 तक हर साल लगभग 2.88 लाख प्रवासियों की जरूरत होगी। इस कमी को पूरा करने के लिए जर्मनी ने 2024 से पेशेवर वीजा की संख्या 10 % से ज्यादा बढ़ाने और भारतीयों के लिए खास मौके दिए जाने की घोषणा की है। पिछले साल जर्मन सरकार ने 2025 में 2 लाख पेशेवर वीजा जारी करने का वादा किया था, जिनमें से 90,000 भारतीयों के लिए तय किए गए। यह संख्या पहले की सीमा 20,000 से कई गुना ज्यादा है। इस समय तकरीबन 1.3 लाख भारतीय पेशेवर जर्मनी में रहकर काम कर रहे हैं और उनकी औसत कमाई स्थानीय कामगारों से कहीं अधिक है।

अमेरिका में मोहम्मद यूनुस का पुरजोर विरोध, काफिले पर अंडे फेंके गए : न्यूयॉर्क , एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को न्यूयॉर्क में विरोध का सामना करना पड़ा। शेख हसीना की अवामी लीग के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने यूनुस के काफिले पर अंडे फेंके और उनके सहयोगी अख्तर हुसैन को आतंकवादी कहकर नारेबाजी की। हुसैन 2024 में हसीना विरोधी छात्र आंदोलन के नेता रहे थे। हालांकि यूनुस के साथ आए बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी नेताओं को निशाना नहीं बनाया गया। यूनुस ने अमेरिका के विशेष दूत सर्जियो गोर से मुलाकात में कहा कि फरवरी 2026 में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराए जाएंगे। बैठक में व्यापार, क्षेत्रीय सहयोग, सार्क पुनर्जीवन, रोहिंग्या संकट और दुष्प्रचार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। यूनुस ने रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए निरंतर अमेरिकी सहयोग की मांग की।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में कोलंबिया के राष्ट्रपति ने की ट्रंप के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग की

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में भाषण देते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग कर दी। पेट्रो ने यह मांग इस महीने कैरेबियाई सागर में नावों पर हुए अमेरिकी हमलों के बाद उठाई, जिनमें कई लोगों की मौत हुई थी। बता दें कि अमेरिका ने इन हमलों को लेकर दावा किया था कि उसके निशाने पर मादक पदार्थ ले जा रहे तस्कर गिरोह थे और नावों के जरिए तस्करी ही हो रही थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, दो सितंबर को हुए पहले हमले में 11 लोग मारे गए थे। इसके बाद 16 सितंबर को दूसरे हमले में तीन लोगों की मौत हुई और फिर शुक्रवार को तीसरे हमले में भी तीन लोगों की जान गई। अमेरिका ने इन सभी नावों में ड्रग्स होने की बात कही थी।

क्या बोले कोलंबिया के राष्ट्रपति : कोलंबियाई राष्ट्रपति ने अमेरिका की तरफ से कैरिबियाई सागर में तीन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि इन नावों पर सवार लोग वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ गिरोह से जुड़े नहीं थे, जैसा कि ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था। उन्होंने कहा, आपराधिक कार्रवाई उन अधिकारियों पर शुरू होनी चाहिए, चाहे वह आदेश देने वाला सबसे ऊंचा पदाधिकारी ही क्यों न हो- यानी राष्ट्रपति ट्रंप। पेट्रो ने अमेरिका के मादक पदार्थ ले जा रही नावों को निशाना बनाने का दावा भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इन नावों में सवार यात्री महज गरीब लातिन अमेरिकी युवा थे, जिनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। पेट्रो ने महासभा में कहा, उन्होंने (अमेरिका ने) कहा कि कैरेबियन में मिसाइलों का इस्तेमाल ड्रग तस्करी रोकने के लिए किया गया। यह एक झूठ है। क्या वास्तव में निहत्थे, गरीब युवाओं पर बम बरसाना जरूरी था?

वेनेजुएला के राष्ट्रपति भी कर चुके हैं अमेरिका की आलोचना : दूसरी तरफ वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने भी कहा कि उनकी सरकार अमेरिकी हमलों से निपटने के लिए संवैधानिक आदेश जारी करने की तैयारी कर रही है। मादुरो ने आरोप लगाया कि अमेरिका मादक पदार्थ तस्करी का बहाना बनाकर सैन्य कार्रवाई कर रहा है, ताकि उनकी सरकार को गिराया जा सके।

अमेरिका ने अब तक नहीं दिए नावों में नशीले पदार्थ होने से जुड़े सबूत : दूसरी तरफ अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जरूरी थी। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अमेरिका ने नावों में लदे कार्गो का आकलन कैसे किया और यात्रियों को गैंग से जुड़ा हुआ कैसे घोषित किया।

ट्रंप प्रशासन का यू-टर्न- फिर काम पर बुलाए गए नौकरी से हटाए गए सरकारी कर्मचारी, मस्क की कटौती नीति पड़ी महंगी

मियामी, एजेंसी। अमेरिका में जिन सैकड़ों संघीय कर्मचारियों की नौकरियां चली गई थीं, अब उन्हें वापस काम पर बुलाया जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार रहे एलन मस्क की सरकारी खर्चों में कटौती करने की योजना के तहत इन कर्मचारियों को हटाया गया था। सामान्य सेवा प्रशासन (जीएसए) ने इन कर्मचारियों को कहा कि इस हफ्त तक बताएं कि वे दोबारा नौकरी करना चाहते हैं या नहीं। ये कर्मचारी सरकारी दफ्तरों में देखभाल का काम करते थे। सरकारी नोटिस के मुताबिक, जो कर्मचारी लौटने को तैयार हैं, उन्हें छह अक्तूबर से काम पर लौटना होगा। इन सात महीनों में वे काम पर नहीं थे, लेकिन उन्हें वेतन मिलता रहा। इस दौरान जीएसए को कई सरकारी इमारतों के किराए पर भारी खर्च उठाना पड़ा। इसका बोझ आखिरकार करदाताओं पर ही पड़ा। जीएसए के एक पूर्व अधिकारी चाड बेकर ने कहा कि एजेंसी में कर्मचारियों की भारी कमी हो गई थी और बुनियादी काम भी सही तरीके से नहीं हो पा रहे थे। अब एजेंसी को आपातकालीन स्थिति में चलाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मस्क और उनके सरकारी दक्षता विभाग (डॉज) ने बहुत जल्दी ज्यादा कटौती कर दी थी। जीएसए को 1940 के दशक में स्थापित किया गया था, ताकि सरकारी दफ्तरों को खरीदने और उनका प्रबंधन करने का सारा काम एक ही जगह से किया जा सके। कर्मचारियों को फिर से वापस काम पर बुलाने का फैसला केवल जीएसए में ही नहीं, बल्कि अन्य एजेंसियों में भी देखने को मिल रहा है। आयकर विभाग और श्रम विभाग ने भी कुछ पुराने कर्मचारियों को फिर से काम पर रखा है। राष्ट्रीय पार्क सेवा ने भी कुछ लोगों को वापस बुलाया है। जीएसए के लिए स्थिति संभालना जरूरी हो गया था, क्योंकि मार्च से हजारों कर्मचारियों ने या तो खुद सेवानिवृत्ति ले ली या उन्हें जबरन नौकरी छोड़ने को कहा गया। इसके अलावा, सैकड़ों कर्मचारियों को सीधे नौकरी से निकाल दिया गया। हालांकि, इन सभी को सितंबर के अंत तक वेतन मिलता रहा। जीएसए ने इस फैसले पर विस्तार से कुछ नहीं कहा और न ही कर्मचारियों की संख्या या खर्च को लेकर जानकारी दी। केवल इतना कहा गया कि जीएसए नेतृत्व ने कर्मचारियों से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की है और जो भी निर्णय लिया गया है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जफर एक्सप्रेस पटरी से उतरी, ट्रेक पर विस्फोट होने से कई डब्बे पलटे

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार को जफर एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेक में विस्फोट होने से कई डिब्बे पलट गए। कम से कम तीन डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए और मौके पर रेस्क्यू टीम भेजी गई। यह हमला पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर विस्फोट होने के कुछ घंटे बाद हुआ। इस साल 11 मार्च को भी इसी रूट पर जफर एक्सप्रेस पर हमला हुआ था, जिसमें छह सैनिक मारे गए और 450 से अधिक यात्री हथियारबंद मिलिटेंट्स द्वारा बंधक बनाये गए थे। उस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली थी और उन्होंने चेतावनी दी थी कि किसी भी सैन्य प्रतिक्रिया से स्थिति और बिगड़ सकती है। बलूचिस्तान में अलगाववादी हिंसा लंबे समय से जारी है और सुरक्षा बलों के लिए यह लगातार खतरा बना हुआ है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सगीरा को नशे के पदार्थ देकर पड़ोसियों ने 10 दिनों में दो बार बेचा

2.50 लाख लेकर जबरन दो बार कराए निकाह लिम्बायत पुलिस ने तीन को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिम्बायत इलाके में मानव तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक गरीब मजदूर परिवार की नाबालिग बेटी को नशे के पदार्थ देकर 10 दिनों के भीतर दो बार बेचा गया और जबरन शादी कराई गई। यहां तक कि शादी की तस्वीर भी सामने आई

है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पड़ोसी महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि फरजाना नाम की महिला फरार है। पूरे रैकेट का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

लिंबायत के मीठी खाड़ी इलाके में रहने वाली 15 साल की नाबालिग लड़की, जिसकी माँ कैटरिंग का काम करती है और पिता बीमार रहते हैं, इस मानव तस्करी की शिकार बनी। यह घटना करीब पाँच महीने पहले हुई थी। सगीरा की पड़ोसन नूरी वसीम शेख, उसका पति वसीम (रिक्शा चालक) और फरार फरजाना ने लड़की की माँ को लालच दिया कि वे उसकी बेटी को लसकाणा कैटरिंग के काम पर ले जाएंगे। माँ को यह पता नहीं था कि यह एक साजिश है। आरोपियों ने कहा कि लड़की दो-तीन दिन में लौट आएगी।

आरोप है कि सगीरा को लसकाणा ले जाकर शोएब नामक युवक के साथ रखा गया। वहाँ उसे लगातार नशे में रखा जाता था। दिन में दो से तीन बार उसे कोरेक्स जैसी नशे वाली कफ सिरप पिलाई जाती थी, ताकि वह होश में न रह सके। इसी हालत में उसका जबरन निकाह करवाया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने लड़की को दो अलग-अलग व्यक्तियों को बेचा। पहले उसका निकाह शोएब से कराया गया और इसके लिए शोएब से 50 हजार रुपये लिए। शादी के बाद भी तीनों आरोपी लड़की को शोएब के पास रखते रहे।

10 दिन बाद आरोपी लड़की को महाराष्ट्र के सोलापुर ले गए। वहाँ शादी में कैटरिंग काम का बहाना बनाया गया। वहाँ लड़की को एक युवक को बेच दिया गया और हिंदू रीति-रिवाज से मंदिर में शादी करवाई गई। इसके बदले गिरोह ने 2 लाख रुपये लिए। सोलापुर में लड़की को 15 दिन रहने के लिए कहा गया। इन दोनों घटनाओं के दौरान नाबालिग के साथ दो बार दुष्कर्म भी हुआ।

किसी तरह नशे की गिरफ्त से निकलकर लड़की ने अपनी माँ को फोन किया और रोते हुए कहा - अम्मी, मुझे सोलापुर से निकालो, मुझे फरजाना ने किसी को पैसों में बेच दिया है। बेटी की बात सुनकर माँ ने पड़ोसन नूरी शेख से संपर्क किया और बेटी को वापस लाने की विनती की। दबाव के चलते आरोपियों ने लड़की को सोलापुर से वापस सूरत लाकर छोड़ दिया और भाग गए।

घर लौटकर लड़की ने माँ को पूरी आपबीती सुनाई। इस घिनौनी करतूत का पता चलते ही माँ ने पुलिस का सहारा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए लिम्बायत पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। डीसीपी डॉ. कानन देसाई तुरंत लिम्बायत थाने पहुँचे और इस केस में तेजी व सख्ती से कार्रवाई करने के आदेश दिए।

बस से 78 लाख के हाइब्रिड गांजे के साथ दो आरोपियों को सारोली पुलिस ने पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर के नियोल चेक पोस्ट पर वाहन चेकिंग के दौरान एक लग्जरी बस से दो लोगों को हाइब्रिड गांजे के जथ्थे के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बस में यात्री बने बैठे इन दोनों के पास से 78 लाख रुपये का ढाई किलो हाइब्रिड गांजा जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू की।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत शहर में लंबे समय से एमडी ड्रग्स के बाद अब हाइब्रिड गांजे का कारोबार बढ़ा है। क्योंकि हाइब्रिड गांजा एमडी से भी ज्यादा खतरनाक और महंगा है। इसलिए पुलिस ने हाइब्रिड गांजे की तस्करी करने वालों पर शिकंजा कसना शुरू किया है। इसी क्रम में ये दोनों आरोपी पुलिस के जाल में फंस गए।

गिरफ्तारी के बाद जब दोनों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने स्वीकार किया कि यह हाइब्रिड गांजे का जथ्था मुंबई से लाया गया था। पुलिस ने मुंबई में गांजे का माल सप्लाई करने वाले इमरान को वॉन्टेड घोषित किया है। वहीं, सूरत में वसीम रफीक को भी वॉन्टेड घोषित किया गया है, जिसे यह दोनों आरोपी गांजा देने वाले थे।

भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू की C R पाटिल सहित इन नेताओं को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बिहार चुनाव की तारीखें अभी घोषित नहीं हुई हैं, लेकिन सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार चुनाव के लिए अपने प्रभारी और सह-प्रभारी के नाम घोषित कर दिए हैं। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ पार्टी नेता धर्मेंद्र प्रधान को बिहार चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया है, जबकि सी.आर. पाटिल और केशव प्रसाद मौर्य को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।

चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, आयोग 6 अक्टूबर के आसपास बिहार में चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। सूत्रों का कहना है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बिहार का दौरा करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त के आगमन से पहले राज्य में तबादले और पोस्टिंग की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि बिहार में 243 विधानसभा सीटें हैं। इस बार राज्य में मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच है। चुनाव की घोषणा से पहले ही सभी दल जोरशोर से चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2020 के चुनाव में एनडीए के साथ रहकर जीत हासिल की थी।

इस बार बिहार चुनाव में एनडीए और अखिल भारतीय गठबंधन के बीच का मुकाबला बेहद रोचक माना जा रहा है। चुनाव की तारीखें घोषित होने से पहले ही विभिन्न राजनीतिक दल जनता तक पहुँचने लगे हैं। इसके साथ ही पार्टियों के बीच शब्दयुद्ध भी शुरू हो गया है।

सरथाणा में ऑनलाइन फ्रॉड की ऑफिस पर साइबर पुलिस का छापा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में अपराधी नए-नए अपराध करते रहते हैं। इनमें अब साइबर फ्रॉड सबसे ज्यादा चर्चा में है। सूरत शहर साइबर फ्रॉड के लिए एपी (AP) सेंटर बन गया है। इसी

संबंध में जानकारी मिलने पर सरथाणा इलाके में चल रही ऑनलाइन फ्रॉड की ऑफिस पर साइबर पुलिस ने छापेमारी की। साइबर क्राइम शाखा ने दो अलग-अलग कॉम्प्लेक्स में कार्रवाई की, जहाँ से ऑफिस से बड़ी मात्रा में बैंकों की किट जब्त की गईं।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत शहर साइबर फ्रॉड का बड़ा हब बनता जा रहा है। अपराधी रोजाना नए-नए तरीके खोजकर फ्रॉड करते हैं। इसी वजह से पुलिस ने सरथाणा इलाके की ऑनलाइन फ्रॉड ऑफिस पर रेड मारी। दोनों कॉम्प्लेक्स में छापेमारी के बाद बड़ी संख्या में दस्तावेज़ और बैंक की किट जब्त की गईं। साइबर क्राइम ने दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए ऑफिस से 4 लोगों को हिरासत में लिया।

लोगों को पैसों का लालच देकर बैंक की किट किराये पर ली जाती थी और उसमें फ्रॉड के पैसे जमा किए जाते थे। सूरत से सी धे विदेश में बैठे लोग साइबर फ्रॉड ऑपरेट करते थे। इसको लेकर साइबर पुलिस ने एक मामला दर्ज किया है और दूसरे मामले में प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है।

एकल श्रीहरि युवा समिति की बैठक में आगामी आयोजनों पर हुई चर्चा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल श्रीहरि युवा समिति की मीटिंग का आयोजन गुरुवार को सिटी लाइट स्थित कार्यालय में किया गया। जिसमें आगामी सांस्कृतिक कार्यक्रम 卐यह है मेरा भारत卐, 20-21 दिसंबर को बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट, 22 फरवरी को श्याम बाबा की निशान यात्रा का आयोजन किया जाएगा। मीटिंग में समिति ने इस वर्ष के लिए 1,000 युवा सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य भी

आयोजनों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 15 अक्टूबर को अग्र-एक्जोटिका में निर्धारित किया है, जिससे युवा शक्ति को संगठित कर समाजसेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके।

मांडवी तालुका के विसडालिया गाँव में देश का पहला ट्रेडमार्क प्राप्त "रूरल मॉल"

विसडालिया रूरल मॉल, आदिवासी समुदायों के लिए विकास और रोजगार का विशेष केंद्र बनकर 32 गाँवों के 300 लोगों को रोजगार और आत्मनिर्भरता प्रदान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सूचना ब्यूरो,मांडवी तालुका के विसडालिया गाँव में सूरत वन विभाग द्वारा शुरू किया गया 'रूरल मॉल' देश का पहला ट्रेडमार्क प्राप्त रूरल मॉल है, जो आदिवासी समुदायों को रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर प्रदान कर रहा है। ट्रेडमार्क मिलने के बाद यह मॉल आदिवासी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। विसडालिया और आसपास के 32 गाँवों के लगभग 300 आदिवासी कारीगर इस मॉल से जुड़े हुए हैं।

महिलाएँ अब घर से बाहर निकलकर मसाला, पापड़ और बेकरी व्यवसाय में प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनी हैं। यहाँ हस्तकला उत्पाद, बेकरी सामान, मसाला इकाई, दाल-मसाला प्रोसेसिंग, आयुर्वेदिक उत्पाद और मशरूम बेचे जाते हैं।

वर्ष 2019 में आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के कारण केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने विसडालिया को देश के शीर्ष नौ क्लस्टरों में स्थान दिया था। वर्ष 2022 में इसे प्रतिष्ठित "स्कॉच अवॉर्ड" से भी सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री क ी

प्रेरणा स प्रशिक्षण

जब देशभर में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की जागरूकता बढ़ रही है, तब विसडालिया रूरल मॉल 'स्वदेशी' की अवधारणा को साकार कर च्वोकल फॉर लोकलज्ज का संदेश दे रहा है।

मांडवी (उत्तर रेंज) के वन अधिकारी रविंद्रसिंह प्रविणसिंह वाघेला ने बताया कि वर्ष 2013 में देश में पहली बार सूरत वन विभाग ने विसडालिया में रूरल मॉल शुरू किया था। शुरुआत में यहाँ बाँस आधारित हस्तकला और फर्नीचर निर्माण पर ध्यान दिया गया। 2013 से 2018 के बीच सूरत, भरूच, नर्मदा और तापी जिलों के कोटवालिया समाज को दिया गया।

वर्ष 2018 के बाद मशरूम खेती, दाल-मसाला प्रोसेसिंग, बेकरी, फ्लेवर वॉटर और कच्ची घानी तेल जैसे नए यूनिट शुरू किए गए। मॉल की सफलता के बाद 2022-23 में नेत्रंग, छोटाउदेपुर, डेडियापाड़ा और डांग में भी ऐसे रूरल मॉल स्थापित किए गए।

उन्होंने आगे कहा कि आज विसडालिया रूरल मॉल सिर्फ एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने का मार्ग बन गया है। बाँस उत्पादों से कारीगरों को नई पहचान मिली है। पहले आदिवासी परिवारों के पास रोजगार के सीमित साधन थे, लेकिन अब वे अपने हस्तशिल्प उत्पाद सीधे स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेच सकते हैं।

युवाओं और महिलाओं ने प्रशिक्षण लेकर अपने जीवनस्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है। मॉल ने साबित किया है कि यदि उचित मार्गदर्शन और सहायता मिले तो ग्रामीण समाज आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर अग्रसर हो सकता है। सूरत वन विभाग के लिए गर्व की बात है कि विसडालिया मॉल आज पूरे गुजरात के लिए आदर्श मॉडल बन गया है।

विसडालिया रूरल मॉल के क्लस्टर हेड विनीतकुमार ने बताया कि मॉल से जुड़े कारीगर परिवार और हस्तकला में निपुण महिलाएँ पहले केवल स्थानीय हाट में ही अपने उत्पाद बेच पाती थीं। लेकिन ट्रेडमार्क मिलने के बाद उनके उत्पादों को वैश्विक पहचान मिली है।

मॉल प्रबंधन द्वारा दी जा रही प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और बाज़ार से सीधी पहुँच ने उनकी आय में लगातार वृद्धि की है। वर्तमान में 32 गाँवों के 300 से अधिक लोगों को मॉल से रोजगार मिला है तथा प्रतिदिन 50-60 लोग यहाँ काम करते हैं। पहले ये लोग महीने में 3 से 4 हजार रुपये कमाते थे, लेकिन अब उनकी आय बढ़कर 8 से 22 हजार रुपये तक पहुँच गई है।

आदिवासी युवक बाँस से फर्नीचर, घरेलू सामान और सजावटी वस्तुएँ बना रहे हैं। भविष्य में मोल में मिलेट प्रोसेसिंग, प्राकृतिक खेती और अन्य इकाइयों में और लोगों को जोड़ा जाएगा। इससे कारीगरों में आत्मविश्वास, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान में वृद्धि हुई है।

मॉल के उत्पाद आज स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बिक रहे हैं और यह पूरे गुजरात तथा देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

उन्होंने कहा - "यदि हम स्वदेशी और स्थानीय उत्पाद खरीदेंगे, तो हमारे गाँव और शहर के कारीगरों, उद्योगों और छोटे व्यवसायियों को नए

रोजगार और आजीविका के अवसर मिलेंगे।"

कोटवालिया समाज के हस्तकला उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान : महिलाएँ बनीं आत्मनिर्भरता का मार्ग

यहाँ कोटवालिया समाज के कारीगर बाँस से सोफा-सेट, कुर्सी, टेबल, झूला, सजावटी वस्तुएँ और अन्य घरेलू सामान तैयार करते हैं। उनके उत्पाद केवल गुजरात तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मुंबई, दिल्ली और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचते हैं। इस रोजगार केंद्र के कारण आसपास के युवा अपनी कला को व्यवसाय में बदल रहे हैं। मॉल में दी जा रही सुविधाओं और प्रशिक्षण से आदिवासी महिलाएँ स्वरोजगार की ओर बढ़ी हैं।

शिक्षा के साथ प्रशिक्षण की नई पहल :- रूरल मॉल में पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र भी बनाए गए हैं, जहाँ आदिवासी बच्चे पढ़ाई कर अपने भविष्य को संवार रहे हैं। कई विद्यार्थियों ने सरकारी नौकरियाँ भी प्राप्त की हैं। सूरत जिला वन विभाग द्वारा बाँस हस्तकला, बेकरी, मशरूम खेती और फर्नीचर निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही वनों का संरक्षण और जल संरक्षण का कार्य भी चल रहा है। .....(विशेष लेख: मेहुल वांझवाला)